सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

अंक : 18 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (15 से 21 मई 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

पेट्रोल-डीजल 3-3 महंगे हुए, नई कीमतें लागू : कंपनियों को अभी भी 25-30 प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है।

वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो CNG के लिए 79.09 खर्च करने होंगे।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं...

डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब और किचन पर पड़ता है। इसे ऐसे समझिए:

- **मालभाड़ा बढ़ेगा**: ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।
- **खेती की लागत**: ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।
- **बस-ऑटो का किराया**: सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटाई थी : इससे पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से एक लीटर पेट्रोल पर कुल 21.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी। स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्रुटी घटने के बाद यह 11.90 रुपए रह गई थी। इसी तरह, एक लीटर डीजल पर कुल सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 17.8 रुपए से घटकर 7.8 रुपए पर आ गई थी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी?

इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

पड़ोसी देशों में बढ़े दाम, भारत में अब हुआ इजाफा : सरकार अब तक यह तर्क देती रही थी कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके चलते पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 15% से 20% तक बढ़ गईं, लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका बोझ नहीं डाला गया।

क्या अभी और बढ़ेंगे दाम?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि 3 की यह बढ़ोतरी काफी नहीं है। अपना घाटा पूरी तरह खत्म करने और 'ब्रेक-ईवन' यानी नो प्रॉफिट-नो लॉस की स्थिति में आने के लिए इन कंपनियों को अभी पेट्रोल के दाम 28 प्रति लीटर और डीजल के दाम 32 प्रति लीटर तक बढ़ाने की जरूरत है। फिलहाल पेट्रोल पर 29.5% और डीजल पर 36.5% की कमी बनी हुई है। अगर ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट में सप्लाई इसी तरह प्रभावित रही, तो आने वाले दिनों में और भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

- **2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी** : देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया।
- **तेल कंपनियों को हर महीने 30 हजार करोड़ का घाटा हो रहा था** : सरकार के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घाटे में चल रही थीं । पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा के अनुसार कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की बिक्री पर हर महीने करीब 30,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 95.94 पर आया, यह ऑलटाइम लो : महंगाई बढ़ने का खतरा

नई दिल्ली | रुपया आज 15 मई को डॉलर के मुकाबले 30 पैसे गिरकर 95.94 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को

रुपया 95.64 के ऑल टाइम लो पर पहुंचा था। पिछले कुछ दिनों से रुपए में लगातार गिरावट जारी है। साल 2026 की शुरुआत से ही रुपया दबाव में है। पिछले साल दिसंबर 2025 में पहली बार रुपया 90 के स्तर के पार गया था। इससे महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं और जियोपॉलिटिकल तनाव कम नहीं हुआ, तो रुपया जल्द ही 100 के स्तर को भी छू सकता है।

डॉलर महंगा, भारत में महंगाई बढ़ने का खतरा

मिडिल ईस्ट संघर्ष को दशकों का सबसे गंभीर एनर्जी संकट माना जा रहा है, जिसका सीधा असर भारत पर पड़ रहा है।

- **तेल की कीमतें**: कच्चे तेल महंगे होने से भारत का इम्पोर्ट बिल बढ़ा है।
- **जरूरी सामान महंगा**: LPG, प्लास्टिक और अन्य पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स की सप्लाई प्रभावित।
- **महंगाई का डर**: डॉलर महंगा होने से पेट्रोल-डीजल और इम्पोर्टेड सामान महंगे होंगे, जिससे रिटेल महंगाई बढ़ सकती है।
- **विदेश में पढ़ाई-घूमना महंगा**: विदेश जाने या पढ़ाई के लिए डॉलर खरीदने पर अब ज्यादा रुपए खर्च करने होंगे।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स महंगे**: मोबाइल, लैपटॉप और आयातित पार्ट्स महंगे हो सकते हैं, क्योंकि भुगतान डॉलर में होता है।

590 करोड़ के IDFC बैंक घोटाले में सीबीआई का एक्शन

चंडीगढ़-पंचकूला में 7 ठिकानों पर छापे; 5 IAS से पूछताछ की तैयारी, अब तक 16 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के चर्चित IDFC और AU स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े करीब 590 करोड़ रुपए के कथित घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ और पंचकूला में सात स्थानों पर छापेमारी की है। सीबीआई ने यह कार्रवाई 14 मई 2026 को की गई है, जिसकी जानकारी एजेंसी ने खुद आधिकारिक रूप से जारी की है।

सीबीआई के अनुसार, हरियाणा सरकार ने इस मामले की जांच एजेंसी को सौंपी थी। आरोप है कि IDFC और AU स्मॉल फाइनेंस बैंक के कुछ अधिकारियों ने हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर धोखाधड़ी के जरिए सरकारी धन का गबन किया।

ज्वेलर्स और संदिग्ध ठिकानों पर छापे : सीबीआई ने जिन 7 स्थानों पर तलाशी ली, उनमें आरोपियों के आवास, ज्वेलर्स के शोरूम, सरकारी धन के कथित लाभार्थियों के परिसर और जांच से जुड़े अन्य निजी संस्थान शामिल हैं। तलाशी के दौरान एजेंसी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। सीबीआई का कहना है कि ये सबूत घोटाले और सरकारी धन के दुरुपयोग से संबंधित हैं।

आईएएस अधिकारियों पर भी कार्रवाई : इस मामले में सीबीआई ने पांच आईएएस अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 17-A के तहत जांच की अनुमति मांगी थी, जिसे केंद्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। तीन अन्य अधिकारियों के संबंध में अनुमति प्रक्रिया अभी लंबित बताई जा रही है। सीबीआई ने कहा है कि मामले की व्यापक और निष्पक्ष जांच की जाएगी तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने ये दिया मैसेज : इस मामले को केवल वित्तीय अनियमितता नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता से जुड़ा बड़ा मुद्दा माना जा रहा है। सीएम नायब सिंह सैनी के निर्देश पर पहले एसीबी और बाद में सीबीआई जांच शुरू कराई गई थी। अब 17-A की मंजूरी देकर सरकार ने संकेत दिया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगी।

अब तक 16 आरोपी गिरफ्तार

सीबीआई के अनुसार, इस मामले में अब तक 16 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एजेंसी कई अहम सुरागों पर काम कर रही है और जांच को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। यह घोटाला हरियाणा के कई सरकारी विभागों से जुड़ा बताया जा रहा है, जिनमें पंचायत विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बिजली विभाग और पंचकूला नगर निगम शामिल हैं।

हरियाणा बोर्ड 10वीं : पिछले साल से 5.89% कम पास हुए, लगातार तीसरे साल गिरावट

89.6% बच्चे पास; टॉप-3 के 16 स्टूडेंट में 15 ग्रामीण क्षेत्रों के, इनमें 12 बेटियां समेत 16 बच्चे

भिवानी (राजधानी चौपाल) | हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा में 89.60% बच्चे पास हुए हैं, जो पिछले वर्ष से 5.89% कम है। पास प्रतिशत में लगातार तीसरे साल गिरावट आई है। टॉप-3 में 12 लड़कियों समेत 16 बच्चे हैं। इनमें 15 बच्चे ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। भिवानी के मिरान की दीपिका 500 में से 499 (99.8%) अंक लेकर प्रदेशभर में अव्वल रही। 3 लड़कियों समेत 4 स्टूडेंट 498 अंक पाकर दूसरे स्थान पर रहे। 497 अंक के साथ 11 विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान हासिल किया। इनमें 8 लड़कियां हैं। बोर्ड चेयरमैन डॉ. पवन कुमार ने बताया कि 10वीं की नियमित परीक्षा में 2,76,640 विद्यार्थी प्रविष्ट हुए थे। इनमें 2,47,860 पास हुए। 6,201 विद्यार्थियों की कंपार्टमेंट हैं। 22,579 बच्चे फेल हुए हैं। इस बार 1,26,010 बच्चे फर्स्ट डिवीजन से पास हुए। यानी इनके अंक 60% से 80% के बीच हैं। वहीं, 62,143 बच्चों की मेरिट है। यानी इनके अंक 80% या इससे ज्यादा हैं। शिक्षाविदों का मानना है कि परीक्षा प्रणाली में सख्ती, मूल्यांकन प्रक्रिया में बदलाव, नकल पर नियंत्रण से पास प्रतिशत कम रहा। बोर्ड चेयरमैन ने कहा कि रिजल्ट का विश्लेषण किया जाएगा। इसे और बेहतर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

सीबीएसई रिजल्ट : देश में 12वीं में पास होने वाले 7 साल में सबसे कम; हरियाणा में पिछले साल से 5.19% गिरा परिणाम

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | सीबीएसई ने बुधवार को 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए। देशभर में छात्रों में से 85.20% पास हुए। परिणाम पिकल साल के मुकाबले 3.19% कम है। इतना ही नहीं, इस साल का पास प्रतिशत पिछले 7 साल में सबसे कम है। हरियाणा के पंचकूला रीजन में 85.73% (कुल परीक्षार्थी-75,248, पास-62,158) और गुरुग्राम रीजन में 88.45% (कुल परीक्षार्थी-93,815, पास-82,979) बच्चे पास हुए। दोनों रीजन का कुल रिजल्ट 85.85% रहा है, जो पिछली बार से 5.19% कम है।

देश में इससे पहले 2019 में 83.40 रिजल्ट रहा था। सीबीएसई ने इस साल मूल्यांकन में पहली बार ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) लागू की थी। इसके तहत करीब 98.66 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन किया गया। बोर्ड के अनुसार, इससे अंकों के योग जैसी मानवीय गलतियां पूरी तरह खत्म करने में मदद मिली और मूल्यांकन अधिक पारदर्शी हुआ। नतीजों में लड़कियां इस साल भी आगे रहीं। लड़कों के मुकाबले 6.73% ज्यादा लड़कियां पास हुईं। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का परिणाम 100 प्रतिशत रहा। वहीं, क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम 95.62% के साथ देश में पहले स्थान पर रहा। 93.84% के साथ चेन्नई और 93.19% के साथ बेंगलुरु क्षेत्र दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। सबसे कम परिणाम प्रयागराज क्षेत्र का रहा। वहां पास प्रतिशत 72.43 दर्ज हुआ। दिल्ली का सम्मिलित परिणाम 91.97% रहा, जो राष्ट्रीय औसत से 6.77% ज्यादा है। नई शिक्षा नीति के तहत बोर्ड ने 'कम्पार्टमेंट परीक्षा' का नाम सप्लीमेंट्री परीक्षा कर दिया है। जो छात्र अंकों से संतुष्ट नहीं, वे 18 मई से पुनर्मूल्यांकन-वेरिफिकेशन के लिए आवेदन कर सकेंगे। पूरक परीक्षाएं 15 जुलाई से होंगी।

इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से सोना एक दिन में 9 हजार तो चांदी 20 हजार महंगी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | विदेशी मुद्रा को बाहर जाने से रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सोना-चांदी की खरीद पर इंपोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। इसका असर बुधवार को दिखा। 24 कैरेट सोना 9345 रु. प्रति 10 ग्राम तो चांदी 22853 रु. प्रति किलो महंगी हो गई। यह सोने की कीमतों में अब तक की दूसरी तो चांदी में तीसरी बड़ी उछाल है। दोनों के दाम क्रमशः 1.60 लाख और 2.87 लाख रु. पर पहुंच गए। इससे पहले 29 जून को सोना 10705 रु. महंगा हुआ था। इनके आयात पर 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर सेस भी लगाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य देश के विदेशी मुद्रा भंडार को बचाना और गैर-जरूरी आयात को कम करना है। कीमतें चढ़ने का असर ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों पर दिखा। ये 3.47% से 11% तक टूट गए। बता दें कि भारत ने इस साल 6.44 लाख करोड़ रु. का 721 टन सोना आयात किया है।

दूसरी तरफ, रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी चेताया है कि यदि अमेरिका-ईरान का युद्ध जारी रहा तो भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें जल्द बढ़ जाएंगी।

27 हजार रु. तक महंगा हो सकता है सोना

ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल ने चेतावनी दी है कि सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने से ज्वेलरी उद्योग के लिए आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा। काउंसिल के चेयरमैन राजेश रोकड़े के अनुसार, टैक्स बढ़ने से प्रति 10 ग्राम सोने पर ड्यूटी का बोझ 27,000 रुपए तक पहुंच जाएगा। इससे सोने की तस्करी और 'ग्रे मार्केट' को बढ़ावा मिलेगा, जिससे देश में एक समानांतर अर्थव्यवस्था खड़ी हो सकती है।

केजरीवाल के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने गुरुवार को आप नेताओं अरविंद केजरीवाल समेत अन्य के खिलाफ आबकारी नीति मामले से जुड़े उनके 'अपमानजनक' सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की। जस्टिस शर्मा ने स्पष्ट किया कि सभी आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर अब दूसरी बेंच सुनवाई करेगी। जस्टिस शर्मा ने कहा, 'जब मैंने खुद को इस केस से अलग करने से इनकार कर दिया तो अरविंद केजरीवाल ने कानूनी उपाय करने के बजाय मेरी प्रतिष्ठा नष्ट करने की कोशिश की।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के नतीजों में जिले के छात्रों का प्रदर्शन कमजोर रहा पंद्रह हजार परीक्षार्थियों में से डेढ़ हजार छात्र परीक्षा में असफल

गुरुग्राम प्रदेश में 18वें स्थान पर रहा, वहीं, छात्रों का पास 89.44% रहा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने गुरुवार को 10वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। जिले का प्रदर्शन इस बार पिछले वर्ष के मुकाबले कमजोर रहा। गत वर्ष गुरुग्राम प्रदेश में 14वें नंबर पर था तो इस बार यह चार पायदान फिसलकर 18वें स्थान पर रहा। वहीं, छात्रों का पास प्रतिशत भी 92.8 प्रतिशत से घटकर 89.44 प्रतिशत रहा।

जिले से इस बार 15,266 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 13,654 विद्यार्थी सफल हुए, जबकि 1,612 विद्यार्थी सफलता हासिल नहीं कर सके। इनमें 1,352 विद्यार्थी ईआईओपी व 260 विद्यार्थी एसेंशियल रिपीट श्रेणी में शामिल रहे। अगर पिछले वर्ष की तुलना करें तो इस बार गुरुग्राम का प्रदर्शन गिरा है। वर्ष 2025 में जिले का परिणाम 92.8 प्रतिशत रहा था और गुरुग्राम राज्य में 14वें स्थान पर था।

इस बार परिणाम घटकर 89.44 प्रतिशत रह गया और जिला 18वें स्थान पर पहुंच गया। पास प्रतिशत में करीब 3.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और रैंकिंग में भी चार स्थान का नुकसान हुआ। वहीं वर्ष 2024 में गुरुग्राम प्रदेश स्तर पर 16 स्थान पर था लेकिन जिले का पास प्रतिशत 95.22 प्रतिशत था।

नूंह सबसे निचले पायदान पर रहा : राज्य स्तर पर इस बार चरखी दादरी ने 96.01 प्रतिशत परिणाम के साथ पहला स्थान हासिल किया। जींद 94.68 प्रतिशत के साथ दूसरे तथा महेन्द्रगढ़ 93.96 प्रतिशत परिणाम के साथ तीसरे स्थान पर रहा। वहीं नूंह सबसे निचले पायदान पर रहा। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अनुसार पूरे प्रदेश में नियमित परीक्षार्थियों का परिणाम 89.60 प्रतिशत रहा।

इस बार 2,76,640 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 2,47,860 विद्यार्थी पास हुए। बोर्ड आंकड़ों में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों से बेहतर रहा। छात्राओं का परिणाम 91.64 प्रतिशत, जबकि छात्रों का परिणाम 87.69 प्रतिशत रहा। गुरुग्राम के कई स्कूलों में परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों और अभिभावकों में खुशी का माहौल दिखा। स्कूलों में विद्यार्थियों ने मोबाइल और कंप्यूटर में अपने परिणाम देखे।

साढ़े 62 प्रतिशत प्राइवेट परीक्षार्थी पास हुए

गुरुग्राम जिले में प्राइवेट श्रेणी के विद्यार्थियों का परिणाम नियमित छात्रों की तुलना में कम रहा। बोर्ड आंकड़ों के अनुसार 128 प्राइवेट परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 80 विद्यार्थी पास हुए। जिले का कुल परिणाम 62.50 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं 48 विद्यार्थी सफल नहीं हो सके। राज्य के कई जिलों ने इस श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि गुरुग्राम का प्रदर्शन औसत रहा। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्व-अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को नियमित कक्षाओं और अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की कमी का असर परिणामों पर दिखाई देता है।

व्यवस्था में सुधार की जरूरत

जिले में हरियाणा बोर्ड की नियमित 10वीं परीक्षा में इस बार 15,266 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इनमें से 13,654 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की, जबकि 1,612 विद्यार्थी सफल नहीं हो सके। जिले का कुल परिणाम 89.44 प्रतिशत रहा। राज्य स्तर की रैंकिंग में गुरुग्राम 18वें स्थान पर पहुंच गया। पिछले वर्ष जिले का परिणाम 92.8 प्रतिशत था और गुरुग्राम 14वें स्थान पर रहा था। यानी इस बार जिले के परिणाम में करीब 3.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए जिले में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। इसके लिए कड़े कदम उठाने होंगे।

ओपन स्कूल में भी प्रदर्शन कमजोर

हरियाणा मुक्त विद्यालय (ओपन स्कूल) की फ्रेश श्रेणी में भी गुरुग्राम का प्रदर्शन बहुत उत्साहजनक नहीं रहा। आंकड़ों के अनुसार जिले से 293 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी, लेकिन इनमें से केवल 36 विद्यार्थी ही सफल हो सके। जिले का परिणाम 12.29 प्रतिशत रहा। लड़कों में 148 में से 15, जबकि लड़कियों में 145 में से 21 विद्यार्थी पास हुए। विशेषज्ञों का मानना है कि ओपन स्कूल के विद्यार्थियों के सामने नियमित पढ़ाई की निरंतरता और संसाधनों की चुनौती रहती है।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में सबसे ज्यादा टैक्स चोरी की आशंका

आयकर विभाग के रडार पर ढाई लाख से अधिक संपत्तियों के सौदे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| देश के उत्तर-पश्चिमी इलाके में कर चोरी करने वालों को पकड़ने के लिए आयकर विभाग ने बड़े अभियान की शुरुआत की है। आयकर विभाग ने देश के छह राज्यों में अभियान चलाकर 40 से ज्यादा तहसीलों में जांच करने पर ढाई लाख से ज्यादा संपत्ति के सौदे जांच के घेरे में आए है। इन सौदों की कीमत तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक है।

विभाग की इस कार्रवाई से रियल एस्टेट सेक्टर और संपत्ति खरीदारों-बेचने वालों में हड़कंप मच गया है। वहीं प्रदेश सरकार ने भी सभी राजस्व विभाग के अधिकारी और जिले के उपायुक्त को रजिस्ट्री में मिली खामियों को जल्द से जल्द दुरुस्त करने के सख्त निर्देश भी जारी किए है। आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनको कर चोरी के बारे में काफी जानकारी मिल रही थी। बीते साल उनकी टीमों ने छह राज्यों की 40 तहसीलों में जाकर खरीद-फरोख्त किए गए सौदों की जांच की गई।

पांच हजार करोड़ी की कर चोरी का शक

आयकर विभाग के द्वारा अकेले गुरुग्राम की वजीराबाद तहसील में किए गए सर्वे से संकेत मिले हैं कि यहां सालाना पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक का कर चोरी हो रहा है। जांच में पाया गया कि कई बड़े सौदों की जानकारी विभाग को नहीं दी गई या फिर खरीदार-विक्रेता के स्थायी खाता संख्या (पेन) की जानकारी गलत या अधूरी भरी गई। इससे कर चोरी को ट्रैक करना मुश्किल हो रहा था। अधिकारियों का अनुमान है कि पूरे देश में बिना पेन या गलत जानकारी के रिपोर्ट किए गए संपत्ति सौदों का आंकड़ा साढ़े लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। 22 जिलों की 93 तहसीलों में की गई जांच में पैन की जानकारी गायब पाई गई।

जांच में सामने आया कि सभी तहसीलों में लगभग ढ़ाई लाख सौदों पर रजिस्ट्री हुई और इनकी कीमत तीन लाख करोड़ से ज्यादा थी।

आयकर विभाग की अब तक की जांच में सामने आया कि इस आंकडे का 80 फीसदी हिस्सेदारी हरियाणा के गुरुग्राम की वजीराबाद और फरीदाबाद की बल्लभगढ़ तहसील की मिली। आयकर विभाग की खुफिया एवं आपराधिक विंग ने वर्ष 2025-26 के दौरान गुरुग्राम की वजीराबाद तहसील और फरीदाबाद की बल्लभगढ़ तहसील समेत 40 से अधिक राजस्व कार्यालयों में सर्वे और स्पॉट सत्यापन किया है।

अधिकारियों पर दबाव : हरियाणा सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी उपायुक्तों (डीसी) को निर्देश दिए हैं कि वे संपत्ति पंजीकरण में लंबित पेन विवरण तुरंत जमा करना सुनिश्चित करें। आयकर अधिनियम की धारा 285बीए(1) के तहत, 30 लाख रुपये से अधिक के सौदों पर वित्तीय लेनदेन विवरण जमा करना अनिवार्य है।

आईटीआर सुधार का मौका : कर चोरी करने वालों की पहचान के बाद आयकर विभाग सीधे नोटिस भेजने के बजाय नज (मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए डेटा का गैर-हस्तक्षेपकारी उपयोग) तकनीक अपना रहा है। इसके तहत विभाग उन करदाताओं को ई-मेल के जरिए सूचित कर रहा है,जिनके आयकर रिटर्न (आईटीआर) और संपत्ति सौदे के बीच विसंगतियां मिली हैं। विभाग करदाताओं को अपना रिटर्न संशोधित करने और स्वैच्छिक अनुपालन का मौका दे रहा है।

हरियाणा के अलावा इन राज्यों में भी हुई कार्रवाई : यह अभियान केवल हरियाणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के राजस्व कार्यालय भी शामिल हैं। विभाग अब इन कार्यालयों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि भविष्य में डेटा में कोई गड़बड़ी न हो।

जिले में उद्यमियों की चिंता बढ़ने लगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी के ढाई हजार ऑटोमोबाइल उद्योग में कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी और शिपिंग लागत के कारण भारी लागत दबाव बन रहा है। इसमें स्टील, एल्यूमीनियम और कीमती धातुएं शामिल है। ईंधन के दाम बढ़ने से उद्यमियों की चिंता बढ़ गई है।

ईंधन के अलावा कच्चे माल के दाम बढ़ने से उद्योगों में दबाव बढ़ा है। उद्योग प्रभावित होने से एल्यूमीनियम का उपयोग बढ़ाने का विकल्प चुनने लगे हैं। उद्यमियों को अब तक के मुनाफे पर असर पड़ रहा है।

अब माल ढुलाई और ईंधन की कीमत बढ़ने से सप्लाई चेन की लागत बढ़ने से और उत्पादन लागत पर असर आएगा। लागत बढ़ने के अनुपात में ऑटो पार्टस की कीमतें न बढ़ा पाने के कारण कंपनियों का प्रॉफिट मार्जिन घट गई थी। कंपनियां अपनी लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डाल रही हैं, लेकिन बाजार में मांग कम होने लगी थी। उद्यमी अमित पुरी ने कहा कि कच्चे माल और तैयार उत्पादों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने का खर्च बढ़ गया है। थोक बाजारों में बाहर से आने वाले सामान का भाड़ा तक बढ़ सकता है।

गुरुग्रामः कॉलेजों में एडमिशन की दौड़ शुरू हुई; 11 जून को आएगी पहली मेरिट लिस्ट

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा और सीबीएसई बोर्ड के 12वीं के परिणाम घोषित होते ही कॉलेजों में दाखिले की गहमागहमी तेज हो गई है। पसंदीदा कॉलेजों में सीट पक्की करने के लिए छात्र सक्रिय हो गए हैं। इस बार उच्च शिक्षा विभाग ने दाखिला प्रक्रिया करीब एक महीना पहले ही शुरू कर दी है, जिसके लिए 7 मई से ऑनलाइन पोर्टल खोल दिया गया है। टेंटेटिव शेड्यूल के अनुसार, कॉलेजों की पहली मेरिट लिस्ट 11 जून को जारी हो सकती है। गुरुग्राम के 10 सरकारी कॉलेजों और गुरुग्राम यूनिवर्सिटी (GU) में कुल मिलाकर 8,500 से अधिक सीटों पर प्रवेश होना है।

यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. संजय कौशिक ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-270 के अनुसार होंगे। छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यूजी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। बाहरी राज्यों के छात्र भी दिल्ली के साथ-साथ गुरुग्राम के सरकारी कॉलेजों को प्रमुख विकल्प के रूप में चुन रहे हैं।

यहां ले सकते हैं दाखिला

छात्र द्रोणाचार्य कॉलेज, सेक्टर-14 गर्ल्स कॉलेज, सेक्टर 9, फर्रुखनगर, सेक्टर-52, सिधरावली, जाटौली, मानेसर, रिठौज और पटौदी गवर्नमेंट कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। दाखिला नोडल ऑफिसर सोनिका के अनुसार, अन्य स्टेट बोड्र्स के रिजल्ट आने के साथ ही आवेदन प्रक्रिया में अब और तेजी आने की उम्मीद है।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में इन कोर्स के लिए आवेदन का मौका

यूनिवर्सिटी में 15 स्नातक पाठ्यक्रमों की 670 सीटों पर दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है आगे बताया कि बैचलर ऑफ़ फिजियोथेरेपी (बीपीटी), मास्टर ऑफ़ साइंस (लाइफ साइंसेज) इंटीग्रेटेड, मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (इंटीग्रेटेड), मास्टर ऑफ साइंस (फिजिक्स) (इंटीग्रेटेड), बैचलर ऑफ़ साइंस (मैथमेटिक्स और डेटा साइंस), बैचलर ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज (इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड-ट्रेवल और टूरिज्म) एमबीए (इंटीग्रेटेड), मास्टर ऑफ कॉमर्स (इंटीग्रेटेड), बैचलर ऑफ कॉमर्स (ग्लोबल), मास्टर ऑफ आर्ट्स (डेवलपमेंट स्टडीज) (इंटीग्रेटेड), बैचलर ऑफ़ साइंस (एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया), मास्टर ऑफ आर्ट्स (जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन) (इंटीग्रेटेड), बैचलर ऑफ़ आर्ट्स (योगा), (बीबीए, एलएलबी) (इंटीग्रेटेड), बैचलर ऑफ साइंस (होन्स) क्लीनिकल साइकोलॉजी (आरसीआई एप्रूव्ड) जैसे स्किल ओरिएंटेड कोर्सेज में दाखिला लेने के इच्छुक छात्र 30 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

- **द्रोणाचार्य कॉलेज :** सबसे अधिक 3,120 सीटें हैं, जिसके लिए अब तक 428 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। यहाँ एक नया कोर्स भी शुरू होने जा रहा है।
- **सेक्टर-14 गर्ल्स कॉलेज :** छात्राओं के इस पसंदीदा कॉलेज में 2,600 सीटें उपलब्ध हैं और तीन नए कोर्स शुरू करने की मंजूरी प्रक्रिया में है।
- **गुरुग्राम यूनिवर्सिटी :** यूनिवर्सिटी कैंपस की 670 सीटों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं।

निर्देश... केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

बंधवाड़ी गांव सहित गुरुग्राम के अन्य चिह्नित क्षेत्रों के पानी के नमूनों की जांच हो : राव इंद्रजीत

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| केंद्रीय सांख्यिकी, कार्यक्रम कार्यान्वयन एवं योजना राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने मंगलवार को गुरुग्राम में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई बैठक में विभिन्न विभागों की विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

जीएमडीए के सीईओ पीसी मीणा ने बताया कि एसपीआर पर नई ड्रेन लाइन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसे 15 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से सुभाष चौक से राजीव चौक तक जलभराव की समस्या में काफी राहत मिलेगी और बरसाती पानी का दबाव कम होगा। इसके अलावा मेदांता अस्पताल के सामने जलभराव की समस्या के समाधान के लिए ताऊ देवीलाल स्टेडियम के भीतर से बॉक्स ड्रेन का निर्माण किया जा रहा है, जो आगामी 25 दिनों में पूरा हो जाएगा। इससे मेदांता, स्टेडियम क्षेत्र और राजीव चौक के आसपास जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। बैठक में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी तथा गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने गुरुग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर बढ़ रहे सी एंड डी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन) वेस्ट पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को कहा कि अवैध रूप से मलबा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए नियमित चालान प्रक्रिया अमल में लाई जाए, ताकि शहर की स्वच्छता और पर्यावरण व्यवस्था प्रभावित न हो।

जलभराव समाधान और जल पुनर्भरण पर विशेष ध्यान

केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तेजी से बढ़ती आबादी वाले गुरुग्राम में जल संरक्षण और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि बरसाती तथा उपचारित पानी का पुनः उपयोग बढ़ाने के साथ-साथ भूजल रिचार्ज की दिशा में भी गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने बैठक में एंबियंस मॉल के नजदीक बरसाती नालों तथा सड़क पर कब्जे के संदर्भ में कमेटी के माध्यम से जांच करने के निर्देश भी दिए।

संपत्ति कर बकायेदारों को राहत, 30 जून तक ब्याज में मिलेगी 100% छूट

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा संपत्ति कर बकायेदारों को राहत प्रदान करते हुए नई अधिसूचना जारी की गई है।

जारी अधिसूचना के अनुसार वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर बकायों पर ब्याज में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन संपत्ति कर बकायेदारों द्वारा 30 जून 2026 तक अपना बकाया कर जमा करवा दिया जाएगा तथा पोर्टल पर अपनी संपत्ति को स्व-प्रमाणित किया जाएगा, उन्हें ब्याज में छूट का लाभप्रदान किया जाएगा। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि इस पहल से नागरिकों को अपने लंबित संपत्ति कर का निपटान करने का बेहतर अवसर मिलेगा।

पीपीपी मोड पर शुरू होंगे 30 अर्बन आरोग्य मंदिर

8 नए सब सेंटर और 3 नए पीएचसी बनाए जाएंगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने गुरुवार को गुरुग्राम जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में करीब 2 करोड़ 86 लाख रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाएं जनता को समर्पित कीं। विधायक मुकेश शर्मा के आवास पर जनसभा के उपरांत मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार की ओर से गुरुग्राम में 30 अर्बन आरोग्य मंदिर शुरू करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है, जिन्हें पीपीपी मोड पर संचालित किया जाएगा। कहा, गुरुग्राम के नए सिविल अस्पताल की फाइल अंतिम चरण में है और बहुत जल्द इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि नए सिविल अस्पताल को लगभग 600 बेड क्षमता के हिसाब से विकसित करने की योजना है। शुरुआती चरण में 400 बेड की सुविधा तैयार की जाएगी, जबकि भविष्य में इसे बढ़ाकर 600 बेड तक विस्तारित किया जा सकेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, मौजूदा वित्त वर्ष के बजट में गुरुग्राम जिले के लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना को और मजबूत करने पर विशेष फोकस किया गया है। इसी क्रम में जिले में 8 नए सब सेंटर स्थापित किए जाएंगे। कार्यक्रम में पटौदी विधायिका बिमला चौधरी, मेयर राजरानी मल्होत्रा, डॉ. इंद्रजीत यादव सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना में सख्ती बरतने के निर्देश

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जनगणना में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारी से सख्ती से निपटा जाएगा। यह चेतावनी गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त एवं प्रधान जनगणना अधिकारी प्रदीप दहिया ने शुक्रवार को जनगणना कार्य की विस्तृत समीक्षा करन के दौरान दी।

बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति, फील्ड स्तर पर चल रहे सर्वेक्षण, कर्मचारियों की उपस्थिति तथा कार्य की गति को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। दहिया ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन कर्मचारियों ने अब तक जनगणना कार्य शुरू नहीं किया है या कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसमें किसी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

तेल के दाम में बढ़ोतरी से लोगों का बजट बिगड़ा

परिवहन खर्च बढ़ने से सब्जियां और अन्य सामान भी महंगे होंगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| डीजल-पेट्रोल और सीएनजी महंगी होने से जिले में आमजन पर महंगाई की मार पड़ गई है। अनुमान है कि इससे आम आदमी पर अब 15 प्रतिशत तक हर माह अतिरिक्त खर्च बढ़ेगा। जिले के लोगों का कहना है अब घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है।

महंगाई से जूझ रहे लोगों को पिछले 48 घंटे में एक के बाद एक तीन बड़े झटके लगे हैं। शुक्रवार से पेट्रोल-डीजल के दाम में करीब तीन रुपये और सीएनजी के दाम भी बढ़ गए। दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़े। लगातार बढ़ती कीमतों ने घर के बजट पर नया दबाव डाल दिया है। रसोई से लेकर सफर तक हर चीज महंगी होती नजर आ रही है। प्रधानमंत्री की अपील के बाद जिले में इलेट्रिक्स बाइक-कार की मांग 15 प्रतिशत तक बढ़ गई है। शहर में कंपनियों के 350 बाइक एजेंसी और 250 कार एजेंसियां हैं। जहां पर लोगों की ओर से इलेट्रिक्स बाइक-कार की बुकिंग बढ़ गई है।

पिछले दो महीने में ईवी वाहनों की मांग 15 प्रतिशत तक बढ़ गई है। एजेंसियों पर इलेक्ट्रिक कारों और दोपहिया वाहनों में छूट देकर लोगों को प्रोत्साहन किया जा रहा है। जिससे लोगों का ईवी खरीद के प्रति रुझान बढ़ रहा है। चौधरी मोटर्स एजेंसी संचालक सुमित कुमार ने कहा कि इलेट्रिक्स बाइक से लेकर कार भी मांग अब बढ़ने लगी है। इसकी बिक्री में 15 प्रतिशत से अधिक इजाफा हुआ है। मांग बढ़ने के बाद एजेंसियों पर ईवी वाहनों की 10 दिन की वेंटिंग चल रही है। कंपनियों से ईवी वाहनों की सप्लाई कम होने से वेंटिंग बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में हाइब्रिड कारों की मांग में 20 प्रतिशत इजाफा आया है।

अशोक विहार निवासी रविंद्र कुमार, राजेश कुमार, बीएन लाल, रणधीर सिंह ने कहा कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने से 500 रुपये का अतिरिक्त भार बढ़ गया है। एक महीने में 25 लीटर पेट्रोल खर्च होने पर 50 से 80 रुपये बढ़ जाएगा। वहीं डीजल खर्च पर 150 रुपये का अतिरिक्त भार बढ़ जाएंगे। धर्मेंद्र मिश्रा ने कहा कि दूध और ईंधन आदि आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने महीने का बजट बिगाड़ दिया है।

उकलाना नगरपालिका चुनाव : भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, पूर्व मंत्री अनूप धानक के वार्ड में भी भाजपा प्रत्याशी को मिली हार

निर्दलीय उम्मीदवार रीमा सोनी ने 2806 भाजपा की निकिता को हराकर बनी चेयरमैन, जुलूस निकाला

उकलाना (राजधानी चौपाल) | उकलाना नगर पालिका चेयरपर्सन पद के लिए हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार रीमा सोनी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल को 2806 वोटों के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। बुधवार को खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) कार्यालय, उकलाना में हुई मतगणना के दौरान सुबह से ही राजनीतिक माहौल गर्म बना रहा और करीब एक घंटे के भीतर चेयरपर्सन पद के परिणाम स्पष्ट हो गए। चुनाव अधिकारी एवं बरवाला के एसडीएम अश्वीर नैन ने रीमा सोनी को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। जीत की घोषणा होते ही मतगणना केंद्र के बाहर मौजूद समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला और ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न शुरू हो गया। चुनाव आयोग के अनुसार भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल को कुल 4272 वोट प्राप्त हुए, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार रीमा सोनी ने 7078 वोट हासिल कर निर्णायक बढ़त के साथ जीत दर्ज की। इसके अलावा निर्दलीय उम्मीदवार मीनू रानी को 83 वोट तथा डॉ. सोनिया बतरा को 249 वोट मिले। चुनाव में 62 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। कुल 11,744 वोट डाले गए थे, जिनमें से नोटा हटाने के बाद 11,682 वोट वैध पाए गए।

16 में से 14 वार्डों में रीमा सोनी को बढ़त : चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार चेयरपर्सन चुनाव में रीमा सोनी ने नगर पालिका के 16 में से 14 वार्डों में बढ़त हासिल की। भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल केवल वार्ड नंबर 7 और वार्ड नंबर 8 में ही बढ़त बना सकीं। वार्ड नंबर 7 में भाजपा को 24 वोटों तथा वार्ड नंबर 8 में 301 वोटों की बढ़त मिली, जबकि बाकी सभी वार्डों में रीमा सोनी आगे रहीं।

रीमा सोनी को सबसे बड़ी बढ़त वार्ड नंबर 1 में मिली, जहां उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को 396 वोटों से पीछे छोड़ा। वहीं सबसे कम बढ़त वार्ड नंबर 11 में रही, जहां उन्हें 63 वोटों की बढ़त प्राप्त हुई।

भाजपा के बड़े नेताओं के वार्डों में भी हार : चेयरपर्सन चुनाव के परिणामों में भाजपा के लिए सबसे बड़ा झटका यह रहा कि पार्टी अपने प्रभावशाली नेताओं के वार्डों में भी बढ़त हासिल नहीं कर सकी। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ के निवास वाले वार्ड नंबर 1 में भाजपा को 396 वोटों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पूर्व मंत्री अनूप धानक के वार्ड नंबर 11 में भी भाजपा प्रत्याशी 63 वोटों से पिछड़ गई। इतना ही नहीं, भाजपा प्रत्याशी निकिता गोयल अपने स्वयं के वार्ड में भी 139 वोटों से पीछे रहीं। भाजपा मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार के वार्ड नंबर 13 में भी भाजपा को 376 वोटों की हार झेलनी पड़ी।

जीत के बाद निकला विजय जुलूस : रीमा सोनी के विजयी घोषित होते ही समर्थकों ने मतगणना केंद्र के बाहर जश्न मनाना शुरू कर दिया। ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के बीच समर्थकों ने जीत का उत्सव मनाया। रीमा सोनी विधायक नरेश सेलवाल के साथ मतगणना केंद्र से बाहर निकलीं और उसके बाद विजय जुलूस निकाला गया। खुली गाड़ी में सवार होकर रीमा सोनी और विधायक नरेश सेलवाल उकलाना मंडी पहुंचे, जहां समर्थकों ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। शहर के विभिन्न स्थानों पर मिठाइयां बांटी गईं और समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की।

रीमा सोनी की जीत पर इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला, हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश तथा सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने भी उन्हें बधाई दी। चुनाव परिणाम आने के बाद पूरे उकलाना क्षेत्र में दिनभर राजनीतिक चर्चाओं का माहौल बना रहा।

बार-बार पेपर लीक होने पर एनटीए भंग करो : पंकज

हिसार (राजधानी चौपाल) | भारत की जनवादी नौजवान सभा के जिला प्रधान पंकज बगला ने कहा है कि यह पहली बार नहीं है जब एनटीए की लापरवाही और संस्थागत भ्रष्टाचार के कारण लाखों विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर लगाया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि 2024 में भी एनटीए द्वारा आयोजित नीट परीक्षा लीक हुई थी, जिसे अंततः रद्द करना पड़ा था। उस परीक्षा में 67 विद्यार्थी एक साथ रैंक-1 पर आए थे, जो किसी भी सामान्य बुद्धि वाले व्यक्ति को यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि यह परीक्षा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित घोटाला था।

डेफोडिल स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत व शानदार

हिसार (राजधानी चौपाल) | आजाद नगर स्थित डेफोडिल हाई स्कूल का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम इस बार भी पिछले वर्षों की भांति शत-प्रतिशत, शानदार व ऐतिहासिक रहा। मानसी पुत्री दिनेश कुमार ने 94 प्रतिशत अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। तेजस्वी पुत्री आजाद सिंह 88.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय और सविना पुत्री शिशपाल 87.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान पर रही। इसी के साथ दीक्षा पुत्री मानश्री 85.4 प्रतिशत, प्रियांशु पुत्री रामनिवास 81.9 प्रतिशत तथा चंचल पुत्री सतीश कुमार 80.8 प्रतिशत अंक लेकर क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहीं। इस प्रकार 6 बोर्ड मेरिट हासिल करके बच्चों ने अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया। इस शानदार व ऐतिहासिक सफलता पर प्रिंसिपल धर्मबीर सिंह जागलान व अन्य स्टाफ सदस्यों ने सभी बच्चों और उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मंडी आदमपुर की बेटी ने बढ़ाया क्षेत्र का मान : PUCET में ऑल इंडिया 4th रैंक हासिल कर खुशबू जांगड़ा ने रचा इतिहास

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | प्रतिभा किसी पहचान की मोहताज नहीं होती और इसे साबित कर दिखाया है मंडी आदमपुर स्थित मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूल की होनहार छात्रा खुशबू जांगड़ा ने। खुशबू ने पंजाब यूनिवर्सिटी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (PUCET) में पूरे भारत में 4TH रैंक प्राप्त कर अपने परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है।

इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों ने खुशबू को फूलमालाएँ पहनाकर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि खुशबू की यह सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे समाज और शिक्षा जगत के लिए गर्व की बात है। उनकी मेहनत, अनुशासन और लगन आज अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बन गई है। स्कूल निदेशक एवं स्टाफ ने बताया कि मदर्स प्राइड कॉन्वेंट स्कूलहमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करता आया है, और खुशबू की यह उपलब्धि उसी प्रयास का परिणाम है।

न्यूज ब्रीफ

ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मतलोडा ने फिर बाजी मारी

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | हरियाणा बोर्ड द्वारा बारहवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मतलोडा हिसार की मंजू पुत्री श्री वीरेन्द्र गांव मतलोडा ने विज्ञान संकाय में 500 अंक में से 492 अंक प्राप्त करके पूरे हरियाणा प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल करके अपने विद्यालय, माता -पिता, गांव व पूरे बरवाला क्षेत्र का नाम रोशन किया। मंजू की इस उपलब्धि पर विद्यालय निदेशक श्री राजेन्द्र अत्री, विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रेमचन्द शर्मा व विद्यालय उपनिदेशिका श्रीमती अनिता मलिक ने बेटी, उसके माता - पिता व पूरे स्कूल स्टॉफ को बधाई दी। श्री राजेन्द्र अत्री ने कहा कि ये परिणाम बेटी, उसके अभिभावकों व विद्यालय के सामूहिक प्रयासों का फल है। ग्रामीण आंचल में बने इस विद्यालय ने हर साल की भांति इस साल भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस विद्यालय ने हर साल टॉप करने की आदत सी बना ली।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल का परिणाम रहा शानदार

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | गुरु द्रोणाचार्य इंटरनेशनल स्कूल का सीबीएसई द्वारा घोषित 12वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यालय में छात्रा रेनू ने 93 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, शगुन ने 91 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय एवं आस्ती ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। 20 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक और 60 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर शानदार सफलता प्राप्त की। सभी विद्यार्थियों ने कम से कम प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। विद्यालय चेयरमैन भूपसिंह ज्याणी, निदेशक अजय ज्याणी, प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल सहित शिक्षकगण ने विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मोगा देवी मिंडा स्कूल : 12वीं का परिणाम रहा शानदार

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणाम में गांव बगला स्थित मोगा देवी मिंडा मेमोरियल स्कूल के 109 विद्यार्थियों में से कला संकाय की छात्रा प्रीति ने 97.6 प्रतिशत अंक पाए। मान्या व वाणिज्य संकाय की छात्रा ज्योति ने 96.6 प्रतिशत अंक लिये। रीना ने 96.4, पवन ने 95.6 तथा अंशुल ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय निदेशक एमसी जोशी, प्रधानाचार्य डॉ. मैथ्यू वर्गीज ने शत प्रतिशत परिणाम आने पर बधाई दी।

नॉर्दर्न इंटरनेशनल स्कूल : 12वीं का उत्कृष्ट रहा परिणाम

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | नॉर्दर्न इंटरनेशनल स्कूल के सीबीएसई 12वीं के परिणाम में छात्रा ज्योत्सना ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं गौरी ने 86.6 प्रतिशत अंक लिये तथा दिया ने 86.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। छात्रा के पिता मनजीत बेनीवाल ने कहा कि ज्योत्सना शुरू से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित रही है और उसकी मेहनत का ही परिणाम है। स्कूल निदेशक विकास सिंवर, प्राचार्या उर्मिला सिंवर सहित स्टाफ सदस्यों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी।

भाजपा जिला पदाधिकारियों का प्रशिक्षण महा अभियान 16 व 17 को : डॉ. आशा खेदड़

हिसार (राजधानी चौपाल) | भारतीय जनता जिला हिसार के पदाधिकारियों का पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण महा अभियान 16 व 17 मई को मलिक चौक के नजदीक मिलेनियम पैलेस में होगा।कार्यक्रम का शुभारंभ 16 मई को सुबह 10:30 बजे कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने बताया कि कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने व नई नई जानकारियां देने के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते हैं। प्रशिक्षणों का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से अपडेट रखना है ताकि वे योजनाओं व नीतियों का लाभ आम जनता तक पहुंचा सके। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इस प्रशिक्षण महा अभियान में जिला पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, पार्षद, प्रकोष्ठ प्रमुख, मोर्चा प्रमुख, मार्केट कमेटी व बीडीसी चैयरमेन, मंडल प्रभारी, बीएलए-1, पूर्व जिला अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य सदस्य प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। पदाधिकारियों को भाजपा के वरिष्ठ नेता एव प्रदेश पदाधिकारी परशिक्षित करेंगे।

ढाणी खान बहादुर : बोर्ड परीक्षाओं में विषयवार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया

हिसार (राजधानी चौपाल) | राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी खान बहादुर के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय का 10+2 परीक्षा परिणाम 96.4 प्रतिशत रहा। कुल 83 विद्यार्थियों में से 11 विद्यार्थियों ने मेरिट तथा 49 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की। स्नेहा ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, टीना ने 92.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा गौरव ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता सैनी ने बताया कि विषयवार उत्कृष्ट प्रदर्शन में शारीरिक शिक्षा में 99, हिंदी में 97, अर्थशास्त्र में 96, अकाउंटेंसी व अंग्रेजी में 95, समाजशास्त्र में 93, भौतिक विज्ञान में 90, रसायन विज्ञान में 89, जीव विज्ञान में 88 तथा भूगोल में 96 अंक प्राप्त हुए। प्राचार्या ने बताया कि स्कूल का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा है। इसमें नेहा ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, योगिता ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा मोहित ने 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुल 68 विद्यार्थियों मे से 23 विद्यार्थियों ने बोर्ड मेरिट तथा 50 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की। प्राचार्या ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कन्या गुरुकुल घिराय का 10वीं-12वीं का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

हिसार (राजधानी चौपाल) | कन्या गुरुकुल घिराय का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम शानदार एवं उल्लेखनीय रहा। गुरुकुल की छात्राओं ने पूरे क्षेत्र में शिक्षा में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वहीं गुरुकुल का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। 12वीं के परीक्षा परिणाम में सुजाता पुत्री विक्रम गांव घिराय ने 500 में से 450 अंक, करिना घिराय ने 441 अंक, रविना घिराय ने 421 अंक व प्रियंका खानपुर ने 401 प्रतिशत अंक हासिल कर गुरुकुल का नाम रोशन किया। वहीं 10वीं की परीक्षा में सोनम घिराय ने 500 में से 475 अंक, हंसिका जुगलान ने 418 अंक एवं संस्कृत में 100 अंक, मुस्कान पुत्री पाले ने 388 अंक व कल्पना बरकी खेड़ी ने 387 अंक तथा संस्कृत में 100 अंक हासिल किए व गुरुकुल व माता-पिता का नाम रोशन किया। इस अवसर पर गुरुकुल प्राचार्या सुनीता आर्या ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह गुरुकुल की अध्यापिकों व छात्राओं की मेहनत का परिणाम है जिससे इतना अच्छा रिजल्ट आया है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं।

सिसाय में 16 मई को होगा 80 करोड़ रुपये की ड्रोन सिटी परियोजना का उद्घाटन

हिसार (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के हिसार जिले के सिसाय गांव में 16 मई 2026 को एवीपीएल इंटरनेशनल की प्रस्तावित 80 करोड़ रुपये की 'ड्रोन सिटी हरियाणा' परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया जाएगा। यह परियोजना राज्य में ड्रोन निर्माण, स्किल डेवलपमेंट और भविष्य की तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी पहल मानी जा रही है। परियोजना को हरियाणा सरकार की ओर से हरियाणा एंटरप्राइज एंड एम्प्लॉयमेंट पॉलिसी-2020 के तहत 58.51 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन सहायता प्रदान की गई है।

उद्घाटन समारोह में हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा ड्रोन एवं रक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। करीब 11.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही इस ड्रोन सिटी में ड्रोन निर्माण, ड्रोन कंपोनेंट उत्पादन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, टेस्टिंग, स्किल ट्रेनिंग और एडवांस यूएवी टेक्नोलॉजी से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। परियोजना के तहत देशभर की ड्रोन एवं ड्रोन-कंपोनेंट कंपनियों के लिए 23 इंडस्ट्रियल शेड तैयार किए जाएंगे। परियोजना का उद्देश्य ड्रोन निर्माण, एग्रीकल्चर ड्रोन, इंडस्ट्रियल ड्रोन, लॉजिस्टिक्स ड्रोन, सर्विलांस सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और फ्यूचर-टेक स्टार्टअप्स को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाना है। उल्लेखनीय है कि परियोजना का शिलान्यास हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 8 सितंबर 2025 को किया गया था।

मेन बाजार में अतिक्रमण से जनता बेहाल, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

भ्रष्टाचार विरोध एवं सामाजिक उत्थान संगठन ने सीएम सहित प्रशासनिक अधिकारियों को भेजा ज्ञापन

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल) | मंडी आदमपुर के मुख्य बाजार (पुरानी मंडी) में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर अब सामाजिक संगठनों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भ्रष्टाचार विरोध एवं सामाजिक उत्थान संगठन ने हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन को ज्ञापन भेजकर बाजार को तुरंत प्रभाव से अतिक्रमण मुक्त करवाने की मांग उठाई है।

संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सोनी द्वारा भेजे गए ज्ञापन में बताया गया कि मेन बाजार की सड़क लगभग 27 फुट चौड़ी है तथा दोनों ओर करीब 3-3 फुट के फुटपाथ बनाए गए हैं, ताकि आम जनता को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। लेकिन वर्तमान में कई दुकानदारों एवं अतिक्रमणकारियों द्वारा सड़क और फुटपाथों पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। दुकानों का सामान सड़क तक फैला होने के कारण राहगीरों के लिए मात्र करीब 10 फुट रास्ता ही बचा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि बाजार में दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। महिलाओं, बुजुर्गों, स्कूली बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार एंबुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है।

संगठन ने प्रशासन से मांग की है कि मेन बाजार में विशेष "अतिक्रमण हटाओ अभियान" चलाया जाए, सड़क एवं फुटपाथों को तुरंत खाली करवाया जाए तथा दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके अलावा बाजार में स्थायी ट्रैफिक एवं पार्किंग व्यवस्था लागू करने की भी मांग की गई है।

यह ज्ञापन मुख्यमंत्री कार्यालय हरियाणा, लोक निर्माण विभाग हरियाणा, उपायुक्त कार्यालय हिसार एवं तहसीलदार कार्यालय आदमपुर को भेजा गया है। "अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बाजार की स्थिति और गंभीर हो सकती है।"

वीवीआईपी के वाहन काफिले में हो सकती है कटौती, मंत्री-अफसर हर साल वाहनों में 5.50 करोड़ का तेल फूंक रहे, इसे आधा करने की तैयारी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में मुख्यमंत्री, मंत्री, ओएसडी और सीएमओ से जुड़े अधिकारी हर साल सरकारी गाड़ियों में करीब 5.50 करोड़ रुपए का तेल वाहनों में खर्च कर देते हैं। ये खर्च पिछले साल करीब 75 गाड़ियों के तेल खर्च में आया। इसके अलावा सरकार के 3 जहाजों में भी तेल खर्च होता है। अब तेल के दाम बढ़ने से ये खर्च और बढ़ सकता है। हालांकि, पेट्रोल-डीजल कम खर्च करने के पीएम मोदी के आह्वान का असर हरियाणा में भी दिखने लगा है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने अपने काफिले में वाहनों की संख्या 8 से घटाकर 4 कर दी है। सूत्रों के अनुसार, मंत्री, ओएसडी व सीएमओ के अधिकारियों के वाहनों की संख्या भी आधी की जा सकती है। ऐसे में सालाना करीब 2.75 करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि जिन अफसरों के काफिले में ज्यादा गाड़ियां है, उनकी गाड़ियों की संख्या कम हो सकती हैं। सीएम चाहते हैं कि पेट्रोल-डीजल के खर्च में कमी लाई जाए। इसके लिए उन्होंने खुद पहल भी की है।

कई मंत्री-विधायकों ने ट्रेन-बस में किया सफर : केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल दिल्ली से चंडीगढ़ ट्रेन में पहुंचे। कहा- अब दिल्ली से बाहर सार्वजनिक परिवहन से ही जाएंगे। विभाग में कम गाड़ियां चलें, इसकी योजना बन रही है। वहीं, प्रदेश के एविएशन मंत्री विपुल गोयल ने चंडीगढ़ से दिल्ली का सफर ट्रेन से किया। विधायक देवेंद्र अत्री ने जींद से उचाना का सफल बस व ऑटो में किया। डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ई-रिक्शा से जींद लघु सचिवालय पहुंचे।

ये तैयारीः कार पूलिंग पर जोर देगी सरकार

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अधिकारियों-कर्मचारियों से आग्रह किया है कि पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने का प्रयास करें। कार्यालय, बैठकों व अन्य आधिकारिक कार्यक्रमों में आने-जाने के लिए ज्यादा से ज्यादा कार-पूलिंग करें। संभव हो तो इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करें। विभाग अधिकारियों-कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन व अन्य विकल्पों के उपयोग के लिए प्रेरित करें। बैठकों व आधिकारिक संवाद के लिए वर्चुअल प्लेटफॉर्म का अधिक इस्तेमाल किया जाए।

- **एक दिन वाहन का प्रयोग नहीं करेंगे सीएमः** सीएम ने निर्णय लिया है कि सप्ताह में एक दिन वाहन का प्रयोग नहीं करेंगे। संभव है कि साइकिल पर सचिवालय पहुंचें। अभी शेड्यूल बनना है।
- **वर्चुअल बैठकें बढ़ाएगी भाजपाः** भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि प्रदेश में जहां तक संभव हो सकेगा, पार्टी की बैठकें वर्चुअल होंगी। अधिकांश बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या ऑडियो कॉल के जरिए होंगी।
- **2 दिन साइकिल से ड्यूटी पर आएंगे पुलिसकर्मीः** कैथल पुलिस ने सप्ताह में दो दिन ड्यूटी पर साइकिल से आने का फैसला चला रही है।

हरियाणा में SIR से पहले कांग्रेस अलर्ट

स्टेट लेवल मॉनिटरिंग कमेटी का विस्तार, पांच एमएलए शामिल

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की घोषणा के बाद कांग्रेस पार्टी अलर्ट हो गई है। प्रदेश में इस प्रक्रिया को प्रभावी एवं सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से हरियाणा कांग्रेस ने अपनी राज्य स्तरीय कार्रवाई एवं निगरानी समिति का विस्तार किया है। यह जानकारी हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि कमेटी में विधायक अशोक अरोड़ा, चौधरी आफताब अहमद तथा चंद्र प्रकाश, पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा, पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल व डॉ. एमएल रंगा, धर्मवीर गोयत, रिटायर्ड आईएएस विनय यादव, एडवोकेट बिजेंद्र रंगा व मोहन ढिल्लों तथा सुरेन्द्र शर्मा को शामिल किया गया है।

कमेटी ये करेगी काम : प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इससे पूर्व इस समिति में उनके (राव नरेंद्र सिंह) अतिरिक्त हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक भारत भूषण बत्रा, सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल एवं प्रफुल्ल गुडधे, तथा एडवोकेट रणधीर सिंह राणा शामिल थे। राव नरेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पार्टी हरसंभव कदम उठाएगी तथा पूरी प्रक्रिया पर सतर्क निगरानी रखेगी।

1 जुलाई से शुरू होगा एसआईआर

हरियाणा में चुनाव आयोग ने 1 जुलाई 2026 से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) शुरू करने की घोषणा कर चुका है। राज्य में अक्टूबर 2024 में हुए विधानसभा चुनाव के आंकड़ों के अनुसार, 2 करोड़ 6 लाख वोटर हैं। इस दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। निर्वाचन आयोग के अनुसार, SIR कार्यक्रम को जनगणना के तहत चल रही हाउस लिस्टिंग प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, ताकि दोनों प्रक्रियाओं के बीच बेहतर तालमेल बना रहे और मतदाता सूची अधिक सटीक बनाई जा सके।

5 जून से कर्मचारियों की ट्रेनिंगः केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार हरियाणा में एसआईआर प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होगी। पांच जून से 14 जून तक अधिकारियों-कर्मचारियों की ट्रेनिंग और वोटर लिस्ट प्रिंटिंग का काम होगा। 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

जुलाई में रेशनलाइजेशन होगाः 14 जुलाई को पोलिंग स्टेशनों का रेशनलाइजेशन होगा। 21 जुलाई को प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होगी। 21 जुलाई से 20 अगस्त तक लोग नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगीः नया नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, नाम हटाने के लिए फार्म-7 तथा सुधार के लिए फार्म-8 भरना होगा। दावों और आपत्तियों पर ईआरओ (इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) और एईआरओ (असिसटेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) सुनवाई कर फैसला लेंगे। 22 सितंबर 2026 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित की जाएगी।

15 साल के बकाया पर 100% ब्याज माफ; 30 जून तक जमा करनी होगी राशि

हरियाणा सरकार ने शहरी क्षेत्रों के लाखों संपत्ति मालिकों को बड़ी राहत देते हुए वित्तीय वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर (PT) पर लगने वाले पूरे 100 प्रतिशत ब्याज को माफ करने का फैसला किया है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। योजना के तहत करदाता यदि 30 जून 2026 तक अपने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स की मूल राशि जमा कर देते हैं और पोर्टल पर अपनी संपत्ति का विवरण स्व-प्रमाणित (SC) कर देते हैं, तो उन्हें वर्षों से जुड़ा पूरा ब्याज नहीं देना होगा।

सीएम घोषणा के बाद योजना लागू : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुछ दिन पहले प्रॉपर्टी टैक्स पर ब्याज माफी की घोषणा की थी। अब शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने इसे औपचारिक रूप से लागू कर दिया है। सरकार का मानना है कि इससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ कम होगा और नगर निगमों, नगर परिषदों तथा नगर पालिकाओं की टैक्स वसूली में उल्लेखनीय सुधार होगा।

किन लोगों को मिलेगा लाभ : यह योजना हरियाणा के सभी शहरी क्षेत्रों में जैसे कि, गुरुग्राम, फरीदाबाद, करनाल, पानीपत, हिसार, रोहतकक, अंबाला, के आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्ति मालिकों पर लागू होगी। विभागीय सूत्रों के अनुसार, हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में करीब 18 से 20 लाख प्रॉपर्टी यूनिट्स पंजीकृत हैं। इनमें से लगभग 4 से 5 लाख संपत्तियों पर किसी न किसी रूप में टैक्स बकाया है। ब्याज और जुर्माने सहित कुल बकाया राशि 1,500 करोड़ से अधिक आंकी जा रही है। ब्याज माफी के कारण लोगों को अनुमानित रूप से 200 से 400 करोड़ तक की राहत मिल सकती है।

अधिसूचना के अनुसार, यदि करदाता निर्धारित तिथि तक भुगतान नहीं करते हैं, तो बकाया पर पहले की तरह 1.5 प्रतिशत प्रतिमाह (या उसके अंश) के हिसाब से ब्याज लगता रहेगा। उदाहरण के तौर पर, यदि किसी पर 50 हजार का टैक्स बकाया है, और ब्याज 20 हजार जुड़ चुका है, तो 30 जून तक केवल 50 हजार जमा करके पूरा मामला निपटाया जा सकता है।

महंगे तारकोल से सड़कों का काम अटका, ठेकेदारों ने सरकार से मांगा अतिरिक्त खर्च

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | दुनिया में चल रहे युद्ध का संकट अब सड़कों पर भी आ गया है। तारकोल की कीमतें बढ़ने पर हरियाणा पीडब्ल्यूडी कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने सड़कों की रिकार्पेटिंग के लिए सरकार से स्पेशल पैकेज मांगा है। विदेश से पेट्रोलियम पदार्थ की सप्लाई न होने पर सरकार से विदेश से तारकोल मंगवाने की इजाजत मांगी। सरकार ने मंजूरी तो दी, उसमें कुछ ऐसी शर्तें जोड़ दी गई, जिन्हें पूरा करना बस की बात नहीं है। ऐसे में राज्य में सड़क री-कारपेटिंग समेत मरम्मत के 3500 करोड़ रुपए के चल रहे काम प्रभावित हो सकते हैं।

विदेश से आयातित तारकोल को लेकर जारी आदेशों में कहा कि ठेकेदार को लाइसेंस लेना पड़ेगा या फिर लाइसेंस वाले आयातित से खरीदना पड़ेगा। तारकोल ड्रम से तभी खोले जाएंगे, जब पहले संबंधित विभाग उसकी जांच कर लेगा। ठेकेदार को शपथ पत्र देना पड़ेगा कि वह आयातित पैक्ड तारकोल के उपयोग पर अतिरिक्त खर्च का दावा नहीं करेगा। बुधवार को पीडब्ल्यूडी कॉन्ट्रेक्टर एसोसिएशन ने चेयरमैन अशोक जैन की अध्यक्षता में सीएम नायब सिंह सैनी से भेंट की। उन्होंने सीएम से अतिरिक्त खर्च देने की मांग की। जैन ने बताया कि सीएम ने कहा कि वे पूरे मामले को चेक कराएंगे। सीएम ने आश्वासन दिया है। यदि मांग नहीं मानी तो काम रोकेंगे।

अशोक जैन ने सरकार से विशेष राहत पैकेज और कॉन्ट्रेक्ट रेट में संशोधन व एक साल समय सीमा की बढ़ोतरी की मांग करते हुए कहा कि समय रहते फैसला नहीं लिया गया तो सड़क निर्माण और री-कारपेटिंग के कार्य पूरी तरह प्रभावित हो सकते हैं।

राव नरेंद्र का आरोप- ईवीएम में भाजपा कर रही गड़बड़ी, बैलेट पेपर से हों चुनाव

निकाय चुनाव में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदेशाध्यक्ष ने जिलाध्यक्षों के साथ की समीक्षा

यमुनानगर (राजधानी चौपाल) | नगर निगम चुनावों में कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन के बाद पार्टी के सभी जिलाध्यक्षों के साथ प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने जिमखाना क्लब में समीक्षा बैठक की। सभी जिलों के अध्यक्षों से उनके द्वारा पूरे महीने की गई पार्टी से संबंधित गतिविधियों की लिखित रिपोर्ट ली गई। आगे क्या करना है, इस पर मंथन किया गया। बैठक में पार्टी के सह प्रभारी परफूल गुडधे, सह प्रभारी जितेंद्र, विधायक चौधरी अकरम खान और सभी जिलों के अध्यक्ष मौजूद रहे।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि नगर निगम चुनाव भाजपा ने गड़बड़ी के सहारे जीता है। उन्होंने पंचकूला में वोटर लिस्ट में मिली गड़बड़ी का हवाला देकर कहा कि इसकी शिकायत देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप लगाया कि ईवीएम और सरकारी मशीनरी में गड़बड़ी से भाजपा चुनाव जीतती है। जब तक बैलेट पेपर पर चुनाव नहीं होगा, तब तक इंसाफ नहीं मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई संविधान बचाने की है। यह लड़ाई जनता के सहयोग से लड़ी जा रही है। उन्होंने महंगाई का हवाला देकर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व अन्यों द्वारा काफिले में की गई कटौती को दिखावा बताया। साथ ही राजीव गांधी के विदेशी दौरों पर इनकम से ज्यादा खर्च की बात को टालते हुए कहा कि भाजपा ने कोयला, टू जी घोटाले जैसे आरोप लगाकर लोगों को बहकाया, लेकिन आज तक कुछ भी सिद्ध नहीं कर पाई। उन्होंने नीट पेपर लीक की निंदा कर इसे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बताया

एसआईआर को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए : कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने जिलाध्यक्षों से कहा कि एसआईआर शुरू होने वाला है। इसके लिए सभी बूथ वर्कर्स को जागरूक करने की जरूरत है, जो किसी का वोट गलत तरीके से जाति या धर्म के आधार पर न काटा जा सके। गलत वोट हटने चाहिए, लेकिन किसी के मत का अधिकार न छिने, यह भी कांग्रेस को देखना है। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार स्थानीय युवाओं के स्थान पर दूसरे राज्य जहां भाजपा की सरकार है, वहां के युवाओं को प्रदेश में चपरासी, बाबू और अफसर लगा रही है। इस मौके पर पार्टी के जिला ग्रामीण अध्यक्ष नरपाल सिंह गुर्जर, जिला शहरी अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, पूर्व विधायक जसबीर सिंह मलौर, जिला महासचिव मोहन गुर्जर सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सरकार की योजनाओं को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएगी भाजपा, वरिष्ठ नेताओं ने बनाया प्लान

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में संगठनात्मक विषयों को लेकर बैठक की। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों और सरकार की योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई। वहीं सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल की बचत व अन्य आवश्यक वस्तुओं को लेकर जो संदेश दिया गया है, वह राष्ट्रहित में है। उन्होंने कहा कि भाजपा वर्कर्स की जिम्मेदारी सिर्फ संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करना भी उनका कर्तव्य है। इसमें हर वर्कर को अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

खेलों में भाग लेने वाले कर्मचारियों को इंक्रीमेंट के लिए 1 वर्ष में ही करना होगा दावा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले हरियाणा सरकार के कर्मचारियों के लिए अब खेल उपलब्धियों के आधार पर स्वीकृत वेतनवृद्धि संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा दावा स्वीकृत किए जाने के अगले महीने से प्रभावी होगी। पात्र सरकारी कर्मचारी को यह दावा संबंधित खेल प्रतियोगिता के समापन की तिथि से 1 वर्ष के भीतर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहनों और वेतनवृद्धि संबंधी प्रावधानों को और अधिक स्पष्ट एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नए निर्देश जारी किए हैं। नए निर्देशों के तहत वर्ष 1990 में जारी पूर्व निर्देशों की समीक्षा के बाद खेल उपलब्धियों पर प्रदान की जाने वाली वेतनवृद्धि (इंक्रीमेंट) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अतिरिक्त प्रावधान जोड़े गए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है। पत्र में स्पष्ट किया कि आउटसोर्सिंग स्पोर्ट्स पर्सन्स पॉलिसी के तहत प्रत्यक्ष नियुक्ति प्राप्त खिलाड़ियों को इन निर्देशों के अंतर्गत अतिरिक्त वेतनवृद्धि का लाभ नहीं दिया जाएगा।

लिंगानुपात की दर 933 से अधिक करने का लक्ष्य

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | महिला एवं बाल विकास विभाग बेटियों की जन्मदर बढ़ाने के लिए प्रदेशभर में महिलाओं के बीच जागरूकता की विशेष कार्य योजना तैयार करेगा। प्रदेश में लिंगानुपात की दर को राष्ट्रीय औसत 933 से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित कर इसे प्राप्त करने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। यह निर्देश सीएम नायब सिंह सैनी ने जारी किए हैं। सीएम ने कहा कि महिलाएं व बच्चे समाज व देश का आधार होते हैं। महिलाओं व बच्चों को सशक्त करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। महिला एवं बाल विकास विभाग अगले 5 साल की अपनी कार्ययोजना इसी तथ्य को ध्यान में रखकर तैयार करे। सीएम ने यह निर्देश हरियाणा विजन-2047 के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की आगामी 5 वर्षीय कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान दिए।

17 से अभियान चलाकर लोगों को एकजुट करेगी जजपा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | जपपा के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि 17 मई से युवा जजपा प्रदेशव्यापी जन-जन अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि हम अगले छह महीनों में सभी 23 जिलों और सभी 90 हलकों में जाकर लोगों को पार्टी की विचारधारा के साथ जोड़ेंगे व डबवाली हलके से इस कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद 19 मई को ऐलनाबाद, 22 मई को रानियां, 25 मई को सिरसा व कालांवाली, 26 मई को फिर डबवाली, 29 मई को फतेहाबाद और 30 मई को टोहाना व रतिया में युवा जजपा के जन-जन अभियान के कार्यक्रम होंगे।

ग्रुप-डी के पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया शुरू, एचएसएससी ने 31 तक मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | प्रदेश सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों, प्राधिकरणों व सरकारी एजेंसियों में रिक्त ग्रुप-डी के नियमित पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत चौकीदार, स्वीपर के पदों को छोड़कर अन्य सभी रिक्त नियमित ग्रुप-डी पद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से भरे जाएंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक सचिवों, बोर्डों, निगमों, वैधानिक निकायों और राज्य सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली अन्य एजेंसियों के प्रमुखों को रिक्त पदों की नई मांग 31 मई 2026 तक एचएसएससी के पोर्टल अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को स्वीकृत पदों, नियमित कर्मचारियों द्वारा भरे गए पदों व हरियाणा अनुबंध कर्मचारी अधिनियम 2024 के तहत कार्यरत अनुबंध कर्मचारियों द्वारा भरे गए पदों का विवरण देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

139 करोड़ रुपए से बदलेगी हरियाणा के पर्यटन स्थलों और कॉम्पलेक्स की सूरत

पर्यटन निगम कर्मियों को बकाया भुगतान के लिए भी 40 करोड़ देने की तैयारी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राज्य में पर्यटन निगम ने पर्यटन स्थलों व कॉम्पलेक्स को बेहतर बनाने की योजना तैयार की है। इसके तहत निगम द्वारा 139 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है। इनमें 40 करोड़ रुपए कर्मचारियों का वेतन, अन्य भुगतान व सेवानिवृति से जुड़ा बकाया शामिल है।

निगम के अनुसार कोविड-19 महामारी के कारण पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था। हरियाणा पर्यटन निगम भी इससे अछूता नहीं रहा। निगम की वित्तीय स्थिति बिगड़ गई थी व इससे उबरने में काफी समय लगेगा। निगम द्वारा 50 करोड़ रुपए जिला मुख्यालयों पर स्थित पर्यटन स्थलों के विकास पर खर्च किए जाएंगे। इनमें कुरुक्षेत्र में ज्योतिसर अनुभव केंद्र के विकास के साथ राज्य के विभिन्न पर्यटन परिसरों में कमरों, वीआईपी सुइट्स, कैंपर हट्स, बार, रेस्टोरेंट, किचन, आम शौचालयों, गलियारों, प्रवेश द्वारों, कॉन्फ्रेंस हॉल आदि के निर्माण, मरम्मत आदि का कार्य किया जाएगा। पर्यटक परिसरों की साज-सज्जा के लिए 1 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें एयर कंडीशनिंग और डीजी सेट जैसे उपकरणों की खरीद शामिल है। निगम पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यह प्रयास कर रहा है। ताकि निगम की आय भी बढ़ सके। कुरुक्षेत्र, रोहतक, फरीदाबाद, पानीपत और यमुनानगर में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट संस्थानों पर 3 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पिंजौर में 17वीं सदी का ऐतिहासिक मुगल गार्डन चंडीगढ़-शिमला राजमार्ग पर स्थित पर्यटन स्थल है। यहां जल आपूर्ति हेतु ट्यूबवेल लगाने और पिंजौर स्थित गार्डन के नवीनीकरण पर एक करोड़ रुपए खर्च होगा। यहां शिमला जाने वाले पर्यटक पहुंचते हैं। राज्य से होकर गुजरने वाले राजमार्गों पर पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 15 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

मोरनी, सोहना, सुल्तानपुर, हिसार, रोहतक और करनाल में स्थित पर्यटन परिसरों में साहसिक पर्यटन और खेल-संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। अलावा, राज्य के विभिन्न पर्यटन परिसरों में वैलनेस केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। इन कार्यों पर आठ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

सूरजकुंड टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स पर खर्च होंगे 10 करोड़

सूरजकुंड टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में होटल, रेस्टोरेंट, बार, कॉन्फ्रेंस हॉल, हेल्थ क्लब, लॉन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। चालू वित्त वर्ष में यहां 10 करोड़ रुपए खर्च करने की प्लानिंग है। यहां कमरों के नवीनीकरण, नए कमरों के निर्माण और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुआवजे के अदालती मामलों पर काम किया जाएगा। इसी प्रकार बड़खल में टूरिस्ट काम्पलेक्स पर आठ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यहां लैंडस्केपिंग के साथ-साथ एक होटल, रेस्टोरेंट, बार और कन्वेंशन हॉल का निर्माण किया जाएगा। सूरजकुंड में अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला, पिंजौर में आम मेला तथा अन्य मेलों और उत्सवों के आयोजन हेतु अस्थायी एवं स्थायी संरचनाओं के निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

नियमों में संशोधन : जो प्रोजेक्ट रास्ता नहीं मिलने से अटके हैं, वे पकड़ेंगे रफ्तार

पंचायत की मंजूरी से प्रोजेक्ट्स के लिए मिलेगा रास्ता, उद्योग को मिलेगा फायदा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | राज्य सरकार ने गांवों की शामलात भूमि (साझा पंचायत जमीन) से निजी प्रोजेक्ट्स को रास्ता देने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने बुधवार को 'हरियाणा ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) संशोधन नियम, 2026' लागू कर दिए। नए नियमों के तहत अब ऐसे प्रोजेक्ट्स, जिनके पास आने-जाने का पर्याप्त रास्ता नहीं है, उन्हें पंचायत की जमीन से नया रास्ता दिया जा सकेगा।

सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, यह सुविधा उन प्रोजेक्ट्स को मिलेगी, जिन्हें चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) या किसी अन्य सरकारी लाइसेंस की जरूरत है और वहां पहुंच मार्ग नहीं होने या अपर्याप्त होने के कारण परियोजना अटक रही है।

नियमों में स्पष्ट किया गया कि पंचायत की शामलात भूमि से रास्ता तभी दिया जाएगा, जब संबंधित ग्राम पंचायत तीन-चौथाई बहुमत और ग्राम सभा दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करेगी। इसके बाद राज्य सरकार नया रास्ता चिन्हित कर सकेगी।

सरकार के इस फैसले से औद्योगिक, आवासीय और अन्य निजी परियोजनाओं को राहत मिलेगी। कई बार सीएलयू मिलने के बावजूद रास्ता नहीं होने के कारण प्रोजेक्ट अटक जाते थे। अब पंचायत की मंजूरी के बाद ऐसे प्रोजेक्ट्स को कानूनी तौर पर पहुंच मार्ग मिल सकेगा।

नए नियमों के अनुसार, प्रोजेक्ट संचालक को बदले में पंचायत को जमीन देनी होगी। यह जमीन प्रोजेक्ट क्षेत्र के 5 प्रतिशत हिस्से या रास्ते के लिए दी गई जमीन के चार गुना क्षेत्रफल के बराबर होगी। इनमें जो भी अधिक होगा, वही मान्य किया जाएगा। यह जमीन पूरी तरह विकसित रूप में देनी होगी। वहां तक सड़क, बिजली, पानी जैसी उपयोगिता सेवाओं की पहुंच भी सुनिश्चित करनी होगी।

पंचायत की ही रहेगी भूमि, रास्ता सभी करेंगे उपयोग

सरकार ने यह भी साफ किया कि नया रास्ता पंचायत के स्वामित्व में ही रहेगा और उसका उपयोग सामुदायिक तौर पर किया जाएगा। यानी रास्ता बनने के बाद भी जमीन निजी कंपनी या प्रोजेक्ट मालिक के नाम नहीं होगी। आने-जाने के लिए सभी लोग रास्ते का इस्तेमाल कर सकेंगे। प्रोजेक्ट मालिक किसी को नहीं रोक सकेगा।

जैविक खेती करने वाले किसानों को 10 हजार प्रति एकड़ अनुदान मिलेगा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। सरकार का लक्ष्य रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम कर भूमि की उर्वरता बढ़ाना और किसानों की आय में वृद्धि करना है।

प्राकृतिक या जैविक खेती अपनाने वाले किसानों को सरकार अगले पांच वर्षों तक 10,000 प्रति एकड़ वार्षिक अनुदान प्रदान करेगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को 'एपीडा' से अपनी उपज का प्रमाणन करवाना अनिवार्य होगा। कृषि विभाग की 800 एकड़ भूमि उन किसानों को 10 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जो पूर्णतः प्राकृतिक या जैविक खेती करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

किसानों की सुविधा के लिए 'हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण एजेंसी' को जैविक खेती के प्रमाणीकरण हेतु अधिकृत किया जा रहा है, ताकि उन्हें बाहरी एजेंसियों पर निर्भर न रहना पड़े।

हिसार में ड्रोन बनेंगे, 58 करोड़ का पैकेज मंजूर, 800 युवाओं को मिलेगा रोजगार

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | सीएम नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड (एचईपीबी) की 19वीं बैठक में राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने की दिशा में कई बड़े निर्णय लिए गए। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु प्रदेश में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करना, विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना और स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना रहा। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सीएम की अध्यक्षता वाले बोर्ड ने कार्यकारी अधिकार प्राप्त समिति (ईईसी) की सिफारिशों पर मुहर लगाते हुए विभिन्न क्षेत्रों की दिग्गज कंपनियों के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किए। एआईटीएमसी वेंचर्स लिमिटेड को 58.51 करोड़ रुपए का पैकेज दिया गया है। कंपनी हिसार में ड्रोन व उनके कलपुर्जे बनाने का हब स्थापित करेगी, जिससे रक्षा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और 800 युवाओं को नौकरी मिलेगी।

सबरोस लिमिटेड को सोनीपत के खरखौदा में ऑटो कंपोनेंट्स इकाई के लिए 89.91 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए, जिससे 215 युवाओं को रोजगार मिलेगा। वहीं, मार्क एग्जॉस्ट सिस्टम्स लिमिटेड झज्जर में अपनी इकाई के लिए 39.95 करोड़ रुपए का लाभ प्राप्त करेगी। जय भारत मारुति लिमिटेड को भी 43.76 करोड़ रुपए का पैकेज मिला है।

संपादकीय...

कचरे के ढेर पर सुलगता शहर: सफाईकर्मियों की हड़ताल और हमारी खोखली व्यवस्था

– एक कड़वी मगर जरूरी सच्चाई

कुछ ही दिन पहले तक जो शहर रात की रोशनी में जगमगाता था और सुबह की ताजी हवा से सांस लेता था, आज वह एक बदबूदार डंपिंग यार्ड में तब्दील हो चुका है। शहर के वीआईपी इलाकों से लेकर तंग गलियों तक, जहां नजर दौड़ाओ वहां सिर्फ और सिर्फ कूड़े के पहाड़ नजर आ रहे हैं। आवारा पशु इस गंदगी को सड़कों पर बिखेर रहे हैं और हवा में तैरती सड़ांध ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। यह भयावह मंजर किसी प्राकृतिक आपदा का नतीजा नहीं है। यह नतीजा है सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का। इस हड़ताल ने महज कुछ ही दिनों में एक बात पूरी तरह सिद्ध कर दी है—हम आधुनिकता की चाहे कितनी भी बड़ी-बड़ी बातें कर लें, लेकिन अगर ये 'स्वच्छता दूत' एक दिन भी अपना काम रोक दें, तो हमारा तथाकथित सभ्य समाज घुटनों पर आ जाएगा।

शहरी जीवन की इस चकाचौंध के पीछे जो कड़वा सच छिपा था, वह आज पूरी तरह नग्न होकर सामने आ चुका है। जिन ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों को हम अपनी प्रगति का प्रतीक मानते थे, वे आज कचरे के ढेरों के नीचे सिसक रही हैं। इस संकट ने नागरिकों के भीतर के उस झूठे अभिमान को भी तोड़ा है जो खुद को इस समाज का नियंता समझते थे। असलियत यह है कि इस महानगर का पूरा अस्तित्व, इसकी सेहत और इसका रोजमर्रा का जीवन उन हाथों पर टिका है, जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। जब तक वे हाथ झाड़ू थामे सड़कों पर चलते रहते हैं, तब तक हम खुद को सुरक्षित और साफ-सुथरा महसूस करते हैं, लेकिन जैसे ही वे हाथ रुकते हैं, हमारी पूरी सभ्यता का दम घुटने लगता है।

हड़ताल के शुरुआती चौबीस घंटों में लगा था कि मामला जल्द सुलझ जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, शहर की सूरत बिगड़ती चली गई। घरों से निकलने वाला रोज का कचरा अब सोसायटियों के बाहर मुख्य सड़कों पर जमा होने लगा है। जो डस्टबिन कभी कचरा समेटने के लिए रखे गए थे, वे खुद कचरे के समंदर में डूब चुके हैं। इस स्थिति ने हमारी पूरी शहरी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। हम हर साल 'स्मार्ट सिटी' और 'स्वच्छ भारत' के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट पास करते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमारे पास कचरा प्रबंधन का कोई ठोस बैकअप प्लान ही नहीं है। सफाईकर्मियों की अनुपस्थिति ने यह साफ कर दिया है कि वे इस रीढ़ की हड्डी की तरह हैं, जिसके बिना पूरा शहर अपाहिज हो जाता है।

इस प्रशासनिक नाकामी का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि नगर निगमों के पास आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए कोई वैकल्पिक कार्यबल या आधुनिक स्वचालित तकनीक मौजूद नहीं है। हम कागजों पर डिजिटल इंडिया और ऑटोमेशन की कसमें खाते हैं, परंतु धरातल पर आज भी हमारी पूरी सफाई व्यवस्था पूरी तरह से मैन्युअल और पारंपरिक तौर-तरीकों पर ही निर्भर है। जब यह तंत्र अचानक रुक जाता है, तो पूरी नगरपालिका मशीनरी असहाय होकर सिर्फ तमाशा देखती रह जाती है। यह ठहराव न केवल हमारी प्रशासनिक अदूरदर्शिता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि संकट प्रबंधन के नाम पर हमारी तैयारी शून्य है।

कूड़े के इस साम्राज्य ने अब शहर को एक बड़े 'टाइम बम' पर लाकर खड़ा कर दिया है। धूप और उमस के कारण कचरा सड़ने लगा है, जिससे मीथेन और अन्य हानिकारक गैसें पैदा हो रही हैं। इसके साथ ही सड़कों पर जमा पानी और गीले कचरे के मिश्रण ने मच्छरों और मक्खियों के लिए एक आदर्श ब्रीडिंग ग्राउंड तैयार कर दिया है, जिससे अस्पतालों में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने लगी है। केवल यही नहीं, बारिश की हल्की बौछारों या नालियों के ओवरफ्लो होने से कचरे का दूषित पानी जमीन में रिस रहा है, जिससे पेयजल स्रोतों के प्रदूषित होने से हैजा, टाइफाइड, डायरिया और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी जानलेवा बीमारियां पैर पसारने लगी हैं। हवा में फैली सड़ांध और कचरे के ढेरों में यदा-कदा लगाई जा रही आग के धुएं ने बुजुर्गों और बच्चों का दम घोंटना शुरू कर दिया है। चिकित्सकों ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 48 घंटों में सफाई व्यवस्था बहाल नहीं हुई, तो शहर को एक बड़े स्वास्थ्य आपातकाल का सामना करना पड़ सकता है।

इस गंदगी का सबसे गहरा और घातक असर समाज के गरीब और कमजोर वर्ग पर पड़ रहा है, जो इन कचरे के ढेरों के सबसे करीब बस्तियों में रहने को मजबूर हैं। झुग्गी-झोपड़ियों और तंग रिहायशी इलाकों में संक्रामक बीमारियों का प्रसार इतनी तेजी से हो रहा है कि स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अब मरीजों का भार संभालने में पूरी तरह असमर्थ साबित हो रहे हैं। यदि समय रहते इस सड़ते हुए कचरे का उठान नहीं किया गया, तो यह स्थानीय स्वास्थ्य संकट बहुत जल्द एक व्यापक महामारी का रूप ले लेगा, जिसे नियंत्रित करना किसी भी प्रशासन के लिए नामुमकिन हो जाएगा। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि अब लोग अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखने को विवश हैं, फिर भी सूक्ष्म जीवाणु और बदबूदार हवा उनके कमरों तक पहुंचकर उन्हें बीमार कर रही है।

इस पूरी त्रासदी का एक और पहलू है, जिसे अनदेखा करना संवेदनहीनता होगी। कोई भी कर्मचारी शौक से हड़ताल पर नहीं जाता, खासकर वे जो समाज के सबसे निचले पायदान पर रहकर सबसे कठिन काम करते हैं। सफाईकर्मियों की मांगें अक्सर बहुत बुनियादी होती हैं, जिनमें कई महीनों से रुका हुआ मानदेय या वेतन समय पर मिलना, सुरक्षा उपकरण जैसे ग्लव्स, मास्क और गटर साफ करने वाली मशीनें उपलब्ध कराना ताकि उन्हें जान जोखिम में न डालनी पड़े, और ठेका प्रथा का खात्मा करके नौकरी का स्थायीकरण करना शामिल है। हम उन्हें 'कोरोना वॉरियर' या 'स्वच्छता सैनिक' कहकर कागजों पर तो सम्मान दे देते हैं, लेकिन जब उनके अधिकारों और हक की बात आती है, तो प्रशासन अपनी आंखें मूंद लेता है। यह हड़ताल दरअसल उनके भीतर बरसों से सुलग रहे असंतोष और उपेक्षा का विस्फोट है।

इस संकट के समय नगर निगम और स्थानीय प्रशासन का रवैया बेहद निराशाजनक रहा है। केवल बैठकों के दौर चल रहे हैं, लेकिन जमीन पर कोई ठोस समाधान नहीं दिख रहा। वैकल्पिक व्यवस्था के नाम पर कुछ जगहों पर निजी ट्रकों को लगाया गया, लेकिन वे समुद्र में ऊंट के मुंह में जीरे के समान साबित हुए। वहीं दूसरी ओर, टैक्स भरने वाले नागरिक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। जिस साफ-सफाई के लिए लोग भारी-भरकम 'स्वच्छता सेस' देते हैं, आज उसी गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं। बच्चों का घर से निकलना बंद हो गया है और बाजारों में सन्नाटा पसरने लगा है क्योंकि दुकानों के ठीक सामने कचरे के अंबार लगे हैं। इस नरक से बाहर निकलने और भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए हमें तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों मोर्चों पर काम करना होगा।

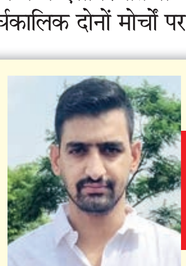

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

सूरज का सितम और प्रकृति का अनुपम चक्र : गर्मी का मौसम, विस्तृत आयाम, चुनौतियाँ और जीवन का संतुलन

भारतीय उपमहाद्वीप और वैश्विक संदर्भों में 'गर्मी' का मौसम केवल वायुमंडलीय तापमान में होने वाली एक सामान्य वृद्धि मात्र नहीं है। यह मानव चेतना, सभ्यता के विकास, कृषि संस्कृति और प्रकृति के अंतर्निहित संतुलन का एक अत्यंत जीवंत और गहरा अध्याय है। यह वर्ष का वह विशिष्ट समय होता है जब संपूर्ण चराचर जगत सूर्य की प्रचंड रश्मियों के सीधे प्रभाव में आ जाता है। आसमान से बरसती आग और धरातल से उठती तपन के बीच इंसानी जीवन की तीव्र रफ्तार स्वतः ही थोड़ी धीमी और संयमित होने लगती है। एक ओर जहां यह मौसम अपनी चिलचिलाती धूप, अत्यधिक पसीने, उमस और थका देने वाली 'लू' से आम जनजीवन को बेहाल करता है, वहीं दूसरी ओर यह प्रकृति के उस महान चक्र का अभिन्न हिस्सा है जिसके बिना जीवन की निरंतरता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। गर्मी की इस अवधि को हम केवल कष्टों के चश्मे से नहीं देख सकते; यह फसलों के पकने का, भावी सुनहरे मानसून की पृष्ठभूमि तैयार करने का और मानवीय संवेदनाओं को एक सूत्र में पिरोने का समय भी है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से देखें तो इस मौसम ने मानव को धैर्य, अनुकूलनशीलता और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की कला सिखाई है। आदिम काल से लेकर आधुनिक महानगरीय जीवन तक, ग्रीष्म ऋतु ने इंसानी बस्तियों की वास्तुकला, खान-पान की आदतों और सामाजिक उत्सवों को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है।

गर्मी से सुरक्षा के लिए व्यापक और संस्थागत उपाय

इस भीषण मौसम और इसके कारण उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य व पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए व्यक्तिगत और संस्थागत, दोनों स्तरों पर व्यापक और दीर्घकालिक रणनीतियों की आवश्यकता है।

- **हाइड्रेशन का ध्यान:** हर व्यक्ति को प्यास न लगने पर भी नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना चाहिए। ओआरएस (ORS) का घोल, नींबू-पानी या घरेलू पेय पदार्थों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।
- **समय का प्रबंधन:** दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच, जब सूर्य की किरणें सबसे तीखी होती हैं, बाहरी गतिविधियों और भारी शारीरिक श्रम वाले कार्यों को यथासंभव टालना चाहिए।
- **त्वचा और आंखों की सुरक्षा:** घर से बाहर निकलते समय हमेशा सनस्क्रीन लोशन का उपयोग करना चाहिए, धूप का चश्मा (UV संरक्षित) पहनना चाहिए और सिर को सूती कपड़े या छाते से ढकना चाहिए।
- **आहार में नियंत्रण:** हल्का, सुपाच्य और ताजा भोजन ही ग्रहण करना चाहिए। सड़े-गले या खुले में रखे खाद्य पदार्थों से पूरी तरह दूरी बनानी चाहिए।
- **'हीट एक्शन प्लान' का क्रियान्वयन:** नगर निगमों और राज्य सरकारों को हर शहर में 'हीट एक्शन प्लान' लागू करना चाहिए, जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर पीने के पानी की व्यवस्था (प्याऊ), छायादार आश्रय स्थल और अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए विशेष वार्ड आरक्षित होने चाहिए।
- **काम के घंटों में लचीलापन:** चिलचिलाती धूप में काम करने वाले निर्माण मजदूरों और डिलीवरी बॉयज के लिए दोपहर के समय अनिवार्य विश्राम की व्यवस्था होनी चाहिए और उनके काम के घंटों को सुबह या शाम की पाली में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

गर्मी के आगमन का खगोलीय और वैज्ञानिक आधार

पृथ्वी पर मौसमों का यह अनवरत चक्र एक बेहद खूबसूरत और जटिल खगोलीय घटना का परिणाम है। हमारी पृथ्वी अपने अक्ष पर लगभग 23.5^0 झुकी हुई है और इसी झुकाव के साथ वह सूर्य की परिक्रमा पूरी करती है। वर्ष के एक विशेष कालखंड में पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर सीधे तौर पर उन्मुख या झुका होता है। इसके कारण सूर्य की किरणें इस विशिष्ट क्षेत्र पर पूरी तरह से सीधी और लंबवत पड़ती हैं। वैज्ञानिक नियम के अनुसार, जब किरणें सीधी पड़ती हैं, तो वे वायुमंडल के एक छोटे हिस्से को पार करती हैं और कम क्षेत्र पर केंद्रित होने के कारण अत्यधिक ऊष्मा उत्पन्न करती हैं। इसी खगोलीय स्थिति के फलस्वरूप दिन की अवधि क्रमिक रूप से लंबी होने लगती है और रातें छोटी हो जाती हैं। भारत जैसे भौगोलिक क्षेत्र में मार्च के महीने से ही सूर्य की उत्तरायण स्थिति के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज होने लगती है, जो अप्रैल और मई के आते-आते अपने चरम स्वरूप को धारण कर लेती है। जून के मध्य तक सूर्य की यह स्थिति उत्तरी गोलार्ध को पूरी तरह से तपा देती है। इस प्रक्रिया में थार के मरुस्थल और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में अत्यधिक निम्न वायुदाब का क्षेत्र निर्मित होता है, जो आगे चलकर मानसूनी हवाओं के संचरण के लिए मुख्य उत्प्रेरक का कार्य करता है।

दूषित खान-पान और महामारी जनित संकट

गर्मी का मौसम केवल प्रत्यक्ष तापमान से ही बीमारियाँ नहीं फैलाता, बल्कि यह अप्रत्यक्ष रूप से सूक्ष्मजीवों और बैक्टीरिया के पनपने के लिए भी सबसे अनुकूल समय होता है। इस मौसम में उच्च तापमान के कारण पका हुआ भोजन बहुत जल्दी सड़ जाता है और उसमें विषाक्त तत्व पैदा हो जाते हैं, जिससे फूड प्वाइजनिंग की घटनाएं तेजी से बढ़ती हैं। खुले में बिकने वाले कटे हुए फल, जूस और दूषित पानी इस मौसम में मक्खियों के माध्यम से हैजा, टाइफाइड, पेचिश और गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसी गंभीर बीमारियों के वाहक बन जाते हैं। शहरों और गांवों में जलस्रोतों के प्रदूषित होने या उनमें पानी की मात्रा कम होने से जल जनित महामारियों का खतरा हमेशा बना रहता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों के लिए यह समय अत्यधिक सतर्कता का होता है, क्योंकि अस्पतालों के ओपीडी वार्डों में पेट की बीमारियों और मौसमी बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या में अचानक भारी उछाल देखा जाता है।

वैश्विक जल संकट और घटता भूजल स्तर

जल ही जीवन है, और इस सत्य की सबसे कठोर और नग्न अनुभूति हमें गर्मी के महीनों में ही होती है। जैसे-जैसे सूरज की तपिश बढ़ती है, वैसे-वैसे हमारी धरती के प्राकृतिक जल संसाधन तेजी से दम तोड़ने लगते हैं। ग्रामीण अंचलों के पारंपरिक तालाब, छोटी नदियां, नहरें और कुएं पूरी तरह से सूखकर दरक जाते हैं। आधुनिक शहरीकरण के कारण कंक्रीट की सड़कों ने जमीन के भीतर पानी रिसने के सारे रास्ते बंद कर दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप भूजल स्तर प्रतिवर्ष कई फीट नीचे खिसकता जा रहा है। गर्मियों में जब पानी की खपत अपनी चरम सीमा पर होती है, तब नलों से पानी आना बंद हो जाता है और टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति करनी पड़ती है। भारत के कई बड़े शहरों और सुदूर गांवों में पानी के लिए लंबी-लंबी कतारें और कभी-कभी तो आपसी हिंसक झड़पें भी देखने को मिलती हैं। जल संकट केवल इंसानों की प्यास तक सीमित नहीं रहता; यह हमारी पूरी कृषि व्यवस्था, सिंचाई और उद्योगों को भी पंगु बना देता है, जिससे एक बड़े आर्थिक संकट की नींव पड़ती है।

ऊर्जा संकट और पावर ग्रिड्स पर बढ़ता दबाव

आधुनिक जीवन पूरी तरह से बिजली और ऊर्जा के साधनों पर निर्भर हो चुका है, और गर्मी का मौसम इस निर्भरता की सबसे कमजोर कड़ी को उजागर करता है। जैसे ही पारा 40^0 के पार जाता है, घरों, कार्यालयों, मॉलों और कारखानों में कूलर, पंखे और विशेष रूप से एयर कंडीशनर का उपयोग चौबीसों घंटे होने लगता है। इस अत्यधिक उपभोग के कारण बिजली की राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच जाती है। ट्रांसफार्मर अत्यधिक गर्म होकर फुंकने लगते हैं और ट्रांसमिशन लाइनों पर क्षमता से अधिक लोड आ जाता है। इस स्थिति से निपटने के लिए बिजली कंपनियों को मजबूरन 'रोलिंग पावर कट्स' या अघोषित बिजली कटौती का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जहाँ कई-कई दिनों तक बिजली गायब रहती है। बिना बिजली के, इस भीषण तपन में बंद कमरों के भीतर रहना किसी कैद से कम नहीं होता, जो न केवल शारीरिक कष्ट को बढ़ाता है बल्कि औद्योगिक उत्पादन को भी भारी नुकसान पहुँचाता है।

मूक पशु-पक्षियों और वन्यजीवों पर प्रकृति की मार

जब हम गर्मी की विभीषिका की चर्चा करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान केवल इंसानी परेशानियों पर ही केंद्रित रहता है, लेकिन इस मौसम का सबसे मूक और दर्दनाक प्रभाव हमारे आसपास रहने वाले पशु-पक्षियों और वन्यजीवों पर पड़ता है। शहरों में बढ़ती कंक्रीट की इमारतों के बीच गौरैया, कबूतर और कौवों जैसे पक्षियों के लिए पीने के पानी का एक-एक कतरा मिलना मुश्किल हो जाता है। चिलचिलाती धूप में उड़ते हुए कई पक्षी डिहाइड्रेशन के कारण आसमान से सीधे जमीन पर गिरकर दम तोड़ देते हैं। आवारा कुत्तों, गायों और अन्य मवेशियों को भी सूखी सड़कों पर पानी की तलाश में भटकते हुए देखा जा सकता है। जंगलों की बात करें तो वहाँ भी स्थिति बेहद भयावह होती है; प्राकृतिक जलाशय और जलधाराएं सूख जाने के कारण जंगली जानवर पानी की खोज में इंसानी बस्तियों की ओर रुख करते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पानी और चारे की कमी के कारण हर साल हजारों बेजुबान जीव काल के गाल में समा जाते हैं।

कृषि अर्थव्यवस्था और रबी फसलों का अंतर्संबंध

यद्यपि गर्मी का मौसम कई तरह की कठिनाइयाँ लेकर आता है, लेकिन भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से इस मौसम का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहलू भी है। भारत की मुख्य खाद्य फसल, विशेष रूप से रबी की फसल जिसमें गेहूं, सरसों, जौ और चना शामिल हैं, को पूरी तरह पकने और कटाई के लिए इसी तेज सुनहरी धूप की आवश्यकता होती है। यदि मार्च और अप्रैल के महीनों में पर्याप्त गर्मी न पड़े, तो गेहूं के दाने ठीक से विकसित नहीं हो पाएंगे और उनमें वह कड़ापन नहीं आएगा जो उनके संरक्षण के लिए जरूरी है। किसान इस मौसम में अपनी कड़ी मेहनत की फसल को काटकर सुरक्षित खलिहानों और मंडियों तक पहुँचाते हैं। फसल की कटाई के बाद, गर्मी की तेज धूप खेतों की मिट्टी को गहराई तक तपा देती है। इस प्रक्रिया को वैज्ञानिक भाषा में 'सॉइल सोलराइजेशन' कहा जाता है, जिससे मिट्टी के भीतर छिपे हानिकारक कीड़े-मकोड़े, उनके अंडे और विभिन्न प्रकार के फंगस स्वतः ही नष्ट हो जाते हैं, जिससे अगली फसल के लिए भूमि प्राकृतिक रूप से उपजाऊ और स्वच्छ हो जाती है।

ग्रीष्मकालीन फलों का खजाना और स्वास्थ्य लाभ

प्रकृति का नियम बड़ा ही अनूठा और करुणामयी है; वह यदि एक हाथ से हमें तपन देती है, तो दूसरे हाथ से उस तपन को सहने के लिए अमृत तुल्य उपहार भी प्रदान करती है। गर्मी का मौसम प्रकृति के सबसे स्वादिष्ट और रसीले फलों का संदेशवाहक है। इस मौसम में 'फलों का राजा' आम अपनी पूरी शान के साथ बाजारों में दिखाई देता है। दशहरी, लंगड़ा, चौसा और अल्फोंसो जैसे आमों की खुशबू हर घर को महका देती है। इसके अलावा, अत्यधिक पानी से भरे फल जैसे तरबूज, खरबूजा, लीची, ककड़ी, खीरा और फालसा इसी मौसम की विशेषता हैं। ये फल केवल स्वाद में ही लाजवाब नहीं होते, बल्कि इनके भीतर प्रचुर मात्रा में पानी, विटामिन्स और मिनरल्स होते हैं जो मानव शरीर को लू के थपेड़ों से बचाते हैं और त्वचा में नमी बनाए रखते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में उगने वाले फल और वनस्पतियां मानव शरीर के 'पित्त' को शांत करने और शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से ही प्रकृति द्वारा निर्मित की गई हैं।

मानसून का निर्माण: वैज्ञानिक अनिवार्यता

मौसम विज्ञान के सिद्धांतों के अनुसार, गर्मी का मौसम आगामी वर्षा ऋतु का गर्भ गृह होता है। यदि धरती पर भीषण गर्मी न पड़े, तो बारिश का होना पूरी तरह असंभव हो जाएगा। मई और जून के महीनों में जब उत्तर-पश्चिम भारत और तिब्बत का पठार अत्यधिक गर्म हो जाता है, तो वहाँ की हवा गर्म होकर ऊपर उठ जाती है, जिससे उस पूरे भूभाग पर एक अत्यंत शक्तिशाली 'निम्न वायुदाब का केंद्र' विकसित होता है। इसके विपरीत, हिंद महासागर और अरब सागर के ऊपर तापमान कम होने के कारण 'उच्च वायुदाब' बना रहता है। पवन का यह शाश्वत नियम है कि वह हमेशा उच्च वायुदाब से निम्न वायुदाब की ओर चलती है। इसी के परिणामस्वरूप, समुद्र से उठने वाली विशाल, नम और जलवाष्प से लदी मानसूनी हवाएं तीव्र गति से भारतीय मुख्य भूमि की ओर आकर्षित होती हैं, जो आगे चलकर पूरे देश को झमाझम बारिश से सराबोर करती हैं। इस प्रकार, आज की यह तपिश ही कल की सुखद वर्षा की जननी है।

पर्यावरण का प्राकृतिक शुद्धिकरण और सैनिटाइजेशन

आधुनिक विज्ञान इस बात को स्वीकार करता है कि सूर्य की तेज किरणें और उच्च तापमान पृथ्वी के लिए एक प्राकृतिक सैनिटाइजर और शोधक का कार्य करते हैं। सर्दियों और मानसून के दिनों में वातावरण में जो अत्यधिक नमी जमा हो जाती है, वह कई तरह के संक्रामक वायरस, बैक्टीरिया और फंगस के पनपने के लिए आदर्श स्थिति होती है। गर्मी की तेज धूप और पराबैंगनी किरणें इन सूक्ष्मजीवों की संरचना को नष्ट कर देती हैं, जिससे हवा और सतहें प्राकृतिक रूप से कीटाणुरहित हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, घरों में रखे जाने वाले अनाज, कपड़े और गद्दों को इस मौसम में धूप दिखाकर उनमें लगी सीलन और घुन को दूर किया जाता है। ग्रामीण इलाकों में गोबर और कचरे के ढेरों को सुखाकर उन्हें जैविक खाद में बदलने की प्रक्रिया भी इसी मौसम में तीव्र होती है, जो पर्यावरण की स्वच्छता के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

पारंपरिक खान-पान और शीतलता प्रदान करने वाले पेय पदार्थ

भारतीय संस्कृति में ऋतुओं के अनुकूल खान-पान की एक अत्यंत समृद्ध और वैज्ञानिक परंपरा रही है। गर्मी के मौसम से मुकाबला करने के लिए हमारे पूर्वजों ने ऐसे पेय और खाद्य पदार्थों का आविष्कार किया जो आज के कृत्रिम कोल्ड ड्रिंक्स से हजार गुना बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक हैं। इस मौसम में हर घर में कच्चे आम का पना बनाया जाता है, जो लू के खिलाफ एक अचूक ढाल है। इसके अलावा, मिट्टी के घड़े के ठंडे पानी में मिश्री और सौंफ का शर्बत, दही की ठंडी लस्सी, नमकीन या मीठी छाछ (मट्ठा), सत्तू का घोल, बेल का शर्बत और नारियल पानी का सेवन किया जाता है। ये सभी पारंपरिक पेय न केवल शरीर के आंतरिक तापमान को नियंत्रित रखते हैं, बल्कि पाचन तंत्र को भी सुचारू रूप से चलाते हैं। इस मौसम में भोजन को हल्का रखा जाता है, जिसमें हरी सब्जियां, पुदीने की चटनी और प्याज का समावेश अनिवार्य रूप से किया जाता है, क्योंकि प्याज में मौजूद तत्व लू को बेअसर करने की अद्भुत क्षमता रखते हैं।

ग्रीष्मकालीन वस्त्र विज्ञान और जीवनशैली में बदलाव

मौसम के बदलते ही इंसानी पहनावे और दैनिक जीवनचर्या में भी एक बड़ा और दृश्यमान परिवर्तन आता है। भारी, ऊनी और गहरे रंग के कपड़ों को अलमारियों में बंद कर दिया जाता है और उनकी जगह हल्के, ढीले और मुख्य रूप से सूती वस्त्र ले लेते हैं। सूती कपड़े पसीने को सोखने में सबसे कारगर होते हैं और इनके भीतर हवा का संचरण आसानी से होता रहता है, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है। सफेद और अन्य हल्के रंग सूर्य की किरणों को परावर्तित कर देते हैं, जिससे गर्मी का अहसास कम होता है। इसके साथ ही, लोगों की जीवनचर्या में भी बदलाव आता है; सुबह के काम बहुत जल्दी शुरू हो जाते हैं और दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। शाम को सूरज ढलने के बाद बाजारों और पार्कों में अचानक रौनक बढ़ जाती है, क्योंकि लोग ठंडी हवा का आनंद लेने के लिए घरों से बाहर निकलते हैं।

गर्मियों की छुट्टियां: बचपन का स्वर्णकाल और पारिवारिक पुनर्मिलन

तमाम शारीरिक और मौसमी कठिनाइयों के बाद भी, यदि समाज के एक वर्ग से पूछा जाए कि उनका पसंदीदा मौसम कौन सा है, तो बच्चों का जवाब हमेशा 'गर्मी' ही होगा। इस मौसम का सीधा संबंध स्कूलों में होने वाली 'गर्मियों की छुट्टियों' से है। यह अवधि बच्चों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होती, जब वे किताबों के बोझ और सुबह जल्दी उठने के अनुशासन से मुक्त हो जाते हैं। पारंपरिक रूप से यह समय नानी और दादी के घर जाने का होता था, जहाँ विभिन्न परिवारों के चचेरे-ममेरे भाई-बहन एक साथ इकट्ठा होते थे। दोपहर के समय घर के बड़ों की नजरों से बचकर छुपकर गलियों में क्रिकेट खेलना, आम के बागों से कच्चे आम तोड़ना, शाम को आइसक्रीम या बर्फ के गोले वाले का बेसब्री से इंतजार करना और रात के समय घर की खुली छत या आंगन में चारपाइयों पर लेटकर, ठंडे पानी के छिड़काव के बीच नानी से कहानियां सुनते हुए तारों को गिनना—यह एक ऐसा जादुई संसार है जिसकी यादें हर वयस्क के दिल में जीवनभर एक अनमोल धरोहर की तरह सुरक्षित रहती हैं।

आधुनिकता और समकालीन ग्रीष्मकालीन जीवनशैली

समय के चक्र के साथ हमारी जीवनशैली और गर्मियों को बिताने के तौर-तरीकों में भी भारी बदलाव आया है। आज का डिजिटल युग और महानगरीय संस्कृति बचपन के उन पारंपरिक अनुभवों को धीरे-धीरे पीछे छोड़ रही है। अब गर्मियों की छुट्टियों का मतलब केवल नानी का घर नहीं, बल्कि विभिन्न प्रकार के समर कैंप्स, कोडिंग क्लासेस, और विदेशी या पहाड़ी पर्यटन स्थलों की यात्राएं हो गया है। मध्यवर्गीय और उच्चवर्गीय परिवारों में अब दोपहर की तपन से बचने के लिए छतों या आंगनों की बजाय वातानुकूलित (AC) कमरों और कंक्रीट के बंद अपार्टमेंट्स को प्राथमिकता दी जाती है। बच्चे अब कंक्रीट की सड़कों पर खेलने के बजाय वीडियो गेम्स और सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताते हैं। हालांकि, आधुनिक सुख-सुविधाओं ने गर्मी के शारीरिक कष्ट को निश्चित रूप से कम किया है, लेकिन इसके साथ ही उस सामूहिक सामाजिक समरसता और प्रकृति के साथ सीधे जुड़ाव को भी कहीं न कहीं सीमित कर दिया है जो पारंपरिक गर्मियों की विशेषता थी।

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का भयावह साया

जब हम इक्कीसवीं सदी में गर्मी के मौसम का विश्लेषण करते हैं, तो हम इसके सबसे डरावने और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित पहलू को नजरअंदाज नहीं कर सकते—और वह है 'ग्लोबल वार्मिंग' तथा वैश्विक जलवायु परिवर्तन। पिछले कुछ दशकों में पृथ्वी के औसत तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। अब गर्मियां केवल एक सामान्य मौसम नहीं रह गई हैं, बल्कि वे 'एक्सट्रीम वेदर इवेंट्स' यानी अत्यधिक विषम मौसमी घटनाओं में बदल चुकी हैं। मार्च के महीने से ही ऐसी भीषण गर्मी शुरू हो जाती है जो पहले मई में हुआ करती थी। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों की रिपोर्टों के अनुसार, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन के कारण सूर्य की ऊष्मा पृथ्वी के वातावरण में ही कैद होकर रह जाती है। इसके कारण न केवल मैदानी इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ तापमान दर्ज किया जा रहा है, बल्कि हमारे ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं, जो आने वाले समय में एक बड़े वैश्विक संकट का संकेत हैं।

'हीट वेव' और 'अर्बन हीट आइलैंड' का बढ़ता खतरा

आधुनिक शहरों की बनावट और अनियोजित शहरीकरण ने गर्मी की समस्या को कई गुना बढ़ा दिया है। आज के बड़े शहर 'अर्बन हीट आइलैंड' बन चुके हैं। इसका तात्पर्य यह है कि शहरों में मौजूद कंक्रीट की ऊंची इमारतें, डामर (लुक) से बनी पक्की सड़कें और लाखों वाहनों व एयर कंडीशनरों से लगातार निकलने वाली गर्म हवाएं दिन के समय ऊष्मा को पूरी तरह सोख लेती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के विपरीत, जहाँ पेड़-पौधे और खुली मिट्टी रात के समय गर्मी को वापस अंतरिक्ष में विकिरित कर देते हैं, शहरों का कंक्रीट रात में भी इस ऊष्मा को बाहर छोड़ता रहता है, जिससे रातें भी अत्यधिक गर्म और दमघोंटू हो जाती हैं। इसके कारण मौसम विभाग को बार-बार 'हीट वेव' यानी लू की गंभीर चेतावनी जारी करनी पड़ती है, जो विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों और खुले आसमान के नीचे रहने वाले दैनिक मजदूरों के लिए जानलेवा साबित होती है।

रिपोर्ट-ईरान पर अगले हफ्ते दोबारा हमले की तैयारी में अमेरिका 50 हजार सैनिक और युद्धपोत तैनात, ट्रम्प के फैसले का इंतजार

अमेरिका-इजराइल के हमलों से अकेले तेहरान में 1260 लोगों की मौत

ईरान की राजधानी तेहरान के नगर प्रशासन ने अमेरिका और इजराइल के हमलों से राजधानी में हुए मानव और आर्थिक नुकसान के आंकड़े जारी किए हैं। प्रशासन के मुताबिक, हमलों में 1260 लोगों की मौत हुई, जबकि 51 हजार से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए। ईरानी समाचार एजेंसी ISNA के मुताबिक, तेहरान नगर प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि राजधानी में कम से कम 650 जगहों पर हमलों का असर पड़ा। इसके अलावा 10,733 कारें और 754 मोटरसाइकिलें भी हमलों में प्रभावित हुईं। क्षतिग्रस्त वाहनों में करीब 150 टैक्सियां भी शामिल हैं।

इजराइल-लेबनान में सीजफायर 45 दिन बढ़ा

अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल और लेबनान के बीच सीजफायर को 45 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, दोनों देशों के बीच दो दिनों तक चली बातचीत के बाद यह सहमति बनी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि इजराइल और लेबनान के बीच राजनीतिक स्तर की बातचीत 2 और 3 जून को फिर शुरू होगी। उन्होंने कहा कि 29 मई को पेंटागन में दोनों देशों के सैन्य प्रतिनिधिमंडलों के बीच सुरक्षा मुद्दों पर अलग बैठक भी होगी। पिगॉट के मुताबिक, इन बातचीतों का उद्देश्य स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ना है। इसके अलावा दोनों देशों की संप्रभुता और सीमाओं का सम्मान सुनिश्चित करने तथा साझा सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया जाएगा। इजराइल-लेबनान सीमा पर पिछले कई महीनों से तनाव बना हुआ है। गाजा युद्ध के बाद हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच हमले और जवाबी कार्रवाई लगातार जारी हैं।

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल)| अमेरिका अगले हफ्ते ईरान पर दोबारा सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए हैं और अब अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को लेना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की योजना तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले के विकल्पों में ईरान के सैन्य और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर बड़े हवाई हमले शामिल हैं।

एक विकल्प अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन फोर्सेज को जमीन पर उतारकर इस्फहान परमाणु साइट में दबे परमाणु सामग्री यानी एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने का भी है। हालांकि अधिकारियों ने माना कि ऐसा ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा होगा और इसमें भारी सैन्य नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में 50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात रखे हैं। इसके अलावा दो एयरक्राफ्ट कैरियर, एक दर्जन से ज्यादा नेवी डेस्ट्रॉयर और बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी क्षेत्र में मौजूद हैं। करीब 5 हजार मरीन और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 2 हजार पैराट्रूपर्स भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

ईरान की चेतावनी- UN प्रस्ताव का समर्थन करने वाले भी जिम्मेदार होंगे

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने चेतावनी दी है कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका समर्थित प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों को भी किसी नए सैन्य तनाव के लिए जिम्मेदार माना जाएगा। ईरान ने कहा कि अगर अमेरिका क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई बढ़ाता है, तो इस प्रस्ताव के सह-प्रायोजक देश भी उसकी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी साझा करेंगे। X पर जारी बयान में ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ज्यादा देशों का समर्थन दिखाकर दुनिया के सामने झूठी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहा है। ईरान ने कहा, "कोई राजनीतिक बहाना या कूटनीतिक समर्थन उन्हें जिम्मेदारी से नहीं बचा सकता।" अमेरिका, बहरीन और कुछ खाड़ी देशों के समर्थन वाले इस ड्राफ्ट प्रस्ताव में ईरान से खाड़ी के समुद्री इलाके में हमले रोकने और जहाजों की आवाजाही सामान्य करने की मांग की गई है।

ट्रम्प ने पत्रकार से कहा- तुम्हारी रिपोर्टिंग देशद्रोह जैसी

ट्रम्प ने ईरान को लेकर पूछे गए एक सवाल पर पत्रकार पर नाराजगी जताई। ट्रम्प ने रिपोर्टर को झूठा बताया और उसकी रिपोर्टिंग को देशद्रोह जैसा करार दिया। ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान में पूरी तरह सैन्य जीत हासिल की है और यह बात सभी मानते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ आप जैसे लोग ही सच नहीं लिखते। इसके बाद ट्रम्प ने पत्रकार पर तंज करते हुए कहा, मुझे लगता है कि जिस तरह आप लिखते हैं, वह देशद्रोह जैसा है। आपके एडिटर आपको जो लिखने को कहते हैं, आप वही लिखते हैं। आपको खुद पर शर्म आनी चाहिए। दरअसल द न्यूयॉर्क टाइम्स के रिपोर्टर डेविड सेंगर ने पूछा था कि अगर

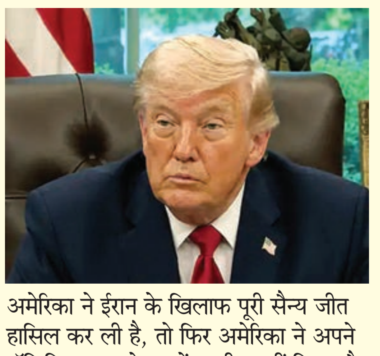

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पूरी सैन्य जीत हासिल कर ली है, तो फिर अमेरिका ने अपने पॉलिटिकल टारगेट क्यों अचीव नहीं किए और हमला अभी भी क्यों जारी है।

ट्रम्प बोले- ईरान 20 साल के लिए परमाणु कार्यक्रम रोके तो मंजूर

ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान 20 साल के लिए अपना परमाणु कार्यक्रम रोकने को तैयार हो, तो यह अमेरिका को मंजूर हो सकता है। इसे ईरान पर उनके पहले के सख्त रुख से बदलाव माना जा रहा है। बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा, "20 साल काफी हैं, लेकिन यह असली 20 साल होने चाहिए।" पहले ट्रम्प लगातार मांग करते रहे थे कि ईरान स्थायी रूप से यूरेनियम संवर्धन बंद करे और कभी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। यूरेनियम संवर्धन को परमाणु हथियार बनाने की दिशा में अहम चरण माना जाता है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अप्रैल में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हुई बातचीत के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के 5 साल के प्रस्ताव के जवाब में कम से कम 20 साल की रोक की मांग रखी थी। हालांकि पहली बार खुद ट्रम्प ने सार्वजनिक रूप से 20 साल की समयसीमा का जिक्र किया है। ट्रम्प ने साथ ही चेतावनी दी कि ईरान को लेकर उनका धैर्य खत्म हो रहा है और बातचीत में अब तक कोई बड़ा ब्रेकथ्रू नहीं दिख रहा। ईरानी मीडिया के अनुसार, तेहरान ने अपने प्रस्ताव में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने, ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी हटाने और भविष्य में हमले न करने की गारंटी मांगी।

दक्षिण लेबनान में इजराइली एयरस्ट्राइक जारी : सीजफायर बढ़ाए जाने के बावजूद इजराइल ने दक्षिण लेबनान में हमले जारी रखे हैं। ग्राउंड रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली एयरस्ट्राइक में बेत सियाद कस्बे को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, दक्षिण लेबनान के बेत सियाद इलाके पर इजराइल ने हवाई हमला किया। इसी दौरान लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी (NNA) ने बताया कि इजराइली ड्रोन जहरानी, बिसारियेह, तुफाहता और बाबलियेह गांवों के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरते देखे गए।

ईरानी राष्ट्रपति ने समर्थन के लिए पोप का धन्यवाद किया

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजकियान ने अमेरिका के हमलों के खिलाफ रुख अपनाने पर पोप लियो का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि पोप ने इस मुद्दे पर नैतिक, तार्किक और निष्पक्ष रुख अपनाया। ईरानी समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक, पजशकियान ने कहा कि अमेरिका ने झूठे बहानों और इजराइल के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए हमले किए। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच बातचीत जारी थी। पजशकियान ने ट्रम्प के उस बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने ईरान की ऐतिहासिक सभ्यता को 'स्टोन एज' में लौटाने की बात कही थी।

इजराइल ने दक्षिण लेबनान में एयरस्ट्राइक और भारी गोलाबारी की : इजराइली लड़ाकू विमानों ने दक्षिण लेबनान के योहमोर अल-शकीफ कस्बे पर हवाई हमले किए हैं। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी (NNA) के मुताबिक, कई अन्य इलाकों में भी भारी तोपखाने से गोलाबारी की गई। फिलहाल हमलों में किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है।

इजराइली सेना की कार्रवाई में फिलिस्तीनी युवक की मौत

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, कब्जे वाले वेस्ट बैंक के जेनिन रिफ्यूजी कैंप में इजराइली सेना की कार्रवाई में एक फिलिस्तीनी युवक की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, जेनिन रिफ्यूजी कैंप में इजराइली बलों की कार्रवाई के दौरान युवक मारा गया। फिलहाल मृतक की पहचान और घटना की पूरी परिस्थितियों को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। जेनिन कैंप लंबे समय से इजराइली सैन्य अभियानों और फिलिस्तीनी समूहों की गतिविधियों का केंद्र रहा है।

अमेरिका के गैस स्टेशनों के सिस्टम हैक, ईरान पर शक

अमेरिका के कई राज्यों में गैस स्टेशनों के फ्यूल टैंक मॉनिटरिंग सिस्टम हैक किए गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि इसके पीछे ईरानी हैकर्स हो सकते हैं। हालांकि हमलों से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इससे सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, हैकर्स ने ऑटोमैटिक टैंक गेज (ATG) सिस्टम को निशाना बनाया। ये सिस्टम गैस स्टेशनों के फ्यूल टैंकों में तेल की मात्रा मॉनिटर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार कई सिस्टम इंटरनेट पर बिना पासवर्ड सुरक्षा के खुले पड़े थे, जिसका फायदा उठाकर हैकर्स अंदर घुस गए। हैकर्स कुछ मामलों में डिस्प्ले रीडिंग बदलने में सफल रहे, हालांकि वास्तविक फ्यूल लेवल प्रभावित नहीं हुआ। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इन घुसपैठों से फिलहाल कोई भौतिक नुकसान नहीं हुआ, लेकिन अगर किसी गैस लीक को छिपा दिया जाए तो बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

अधिकारियों ने कहा कि ईरान पहले भी गैस और पानी से जुड़े अमेरिकी सिस्टम को निशाना बनाता रहा है, इसलिए वह प्रमुख संदिग्ध है। हालांकि जांच एजेंसियों का कहना है कि पर्याप्त डिजिटल सबूत न मिलने के कारण जिम्मेदार लोगों की पहचान पक्के तौर पर करना मुश्किल हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के बीच ईरान समर्थित साइबर हमले बढ़े हैं। ईरान से जुड़े हैकर्स पर अमेरिकी तेल-गैस साइट्स, जल आपूर्ति सिस्टम, मेडिकल डिवाइस कंपनी स्ट्राइकर और FBI डायरेक्टर काश पटेल के ईमेल हैक करने के आरोप भी लगे हैं।

चीन बोला- हॉर्मुज पर अमेरिका समर्थित प्रस्ताव सही नहीं

चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका और बहरीन समर्थित हॉर्मुज प्रस्ताव का विरोध किया है। चीन के UN राजदूत फू कॉन्ग ने कहा कि प्रस्ताव का कंटेंट और समय दोनों सही नहीं हैं और इस समय ऐसा प्रस्ताव पास करना मददगार नहीं होगा। अमेरिका और बहरीन समर्थित प्रस्ताव में ईरान से हॉर्मुज स्ट्रेट में हमले और माइनिंग रोकने की मांग की गई है। अगर प्रस्ताव वोटिंग में जाता है तो चीन और रूस इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। दोनों देशों ने पिछले महीने भी इसी तरह के अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को वीटो किया था। चीन के UN राजदूत फू कॉन्ग ने कहा, "हमें नहीं लगता कि प्रस्ताव का कंटेंट सही है और इसका समय भी सही नहीं है।" उन्होंने कहा कि अभी जरूरत दोनों पक्षों के बीच गंभीर और ईमानदार बातचीत की है। फू कॉन्ग ने कहा कि इस चरण में प्रस्ताव पास करना हालात सुधारने में मदद नहीं करेगा।

गोलान हाइट्स में दुश्मन विमान घुसपैठ का अलर्ट फॉल्स निकला

इजराइली सेना ने कहा है कि गोलान हाइट्स के मजदल शम्स इलाके में दुश्मन विमान की घुसपैठ को लेकर जारी किया गया अलर्ट फॉल्स निकला। जांच के बाद सेना ने स्पष्ट किया कि कोई वास्तविक खतरा नहीं था। इजराइली सेना के मुताबिक, मजदल शम्स इलाके में संदिग्ध हवाई घुसपैठ की आशंका के बाद अलर्ट सक्रिय किया गया था। यह इलाका इजराइल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स में स्थित है। सेना ने बाद में बयान जारी कर कहा कि किसी दुश्मन विमान की वास्तविक घुसपैठ नहीं हुई। हाल के दिनों में इजराइल की उत्तरी सीमा और गोलान हाइट्स इलाके में सुरक्षा तनाव लगातार बना हुआ है।

मारे गए ईरानी सैन्य प्रमुख मौसवी का आखिरी नोट जारी

ईरान के मारे गए सैन्य प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अब्दोलरहीम मौसवी का आखिरी हस्तलिखित नोट जारी किया गया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, यह नोट उन्होंने अमेरिका और इजराइल के हमलों में मारे जाने से ठीक पहले लिखा था। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने मौसवी का अंतिम नोट सार्वजनिक किया। नोट में उन्होंने दुनिया और भौतिक चीजों को लेकर अपने विचार लिखे। मौसवी ने लिखा, "दुनिया बुरी चीज है, क्योंकि अगर तुम इसे पूरी तरह हासिल भी कर लो, तब भी कुछ हासिल नहीं होता।" उन्होंने आगे लिखा, "अगर तुम सब कुछ खो दो, तब भी वास्तव में कुछ नहीं खोता।" ईरानी मीडिया ने इस संदेश को मौसवी के आखिरी विचारों के तौर पर पेश किया है।

होर्मुज प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों को ईरान की चेतावनी

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमेरिका समर्थित प्रस्ताव का समर्थन करने वाले देशों को चेतावनी दी है। ईरान ने कहा कि अमेरिका बहरीन समर्थित प्रस्ताव को मिले समर्थन को दिखाकर यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि उसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल है। ईरान ने कहा कि अमेरिका की आक्रामक कार्रवाई को समर्थन देने के लिए कोई राजनीतिक या कूटनीतिक बहाना नहीं है।

अमेरिका, बहरीन और खाड़ी देशों के समर्थन वाले इस प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट में शिपिंग की आजादी सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रस्ताव में खाड़ी क्षेत्र में ईरानी हमले रोकने पर भी जोर दिया गया है।

भारत-UAE के बीच LPG सप्लाई पर समझौता:राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक में फैसला, मोदी के प्लेन को F-16 फाइटर जेट से सुरक्षा दी गई

दुबई (राजधानी चौपाल)| प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी UAE दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक UAE एयरफोर्स के F-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच LPG सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े MOU भी साइन किए गए।

UAE ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, RBL बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी का UAE दौरा खत्म हो गया हैं। उनका यह दौरा केवल करीब 180 मिनट का था। इस दौरे में भारत और UAE के बीच कई समझौतों पर सहमति बनी। इसमें LPG सप्लाई और ऊर्जा समझौता सबसे अमह माना जा रहा है। इसके अलावा, पीएम मोदी और UAE के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बारे में भी बात हुई। पीएम 15 से 17 मई तक (3 दिन) नीदरलैंड दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। यह दौरा भारत और नीदरलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनाने के लिहाज से काफी अहम है।

मोदी बोले- हर हालात में UAE के साथ खड़ा है भारत : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने UAE के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बातचीत में कहा कि भारत हर परिस्थिति में UAE के साथ मजबूती से खड़ा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पीएम मोदी ने कहा कि भारत और UAE के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने UAE को अपना "दूसरा घर" बताते हुए गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने कहा, "मैं इस शानदार स्वागत के लिए दिल से आभार जताता हूं।" उन्होंने यह भी कहा कि UAE एयर फोर्स के लड़ाकू विमानों द्वारा उनके विमान को एस्कॉर्ट किया जाना भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।

मोदी बोले- यह यात्रा छोटी लेकिन उपयोगी रही : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने UAE दौरा खत्म होने पर कहा कि उनकी यह छोटी लेकिन बेहद उपयोगी यात्रा रही। UAE के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भारत-UAE व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि इस दौरे के नतीजे दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत करेंगे और विकास को आगे बढ़ाएंगे।

जिनपिंग ने ट्रम्प से कहा- पार्टनर बनें, कॉम्पटीटर नहीं

ट्रेड वॉर में कोई नहीं जीतता; ट्रम्प बोले- आपसे दोस्ती सम्मान की बात

बीजिंग (राजधानी चौपाल)| अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में जिनपिंग ने ट्रम्प का स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। दोनों नेताओं के बीच 2 घंटे बैठक चली। बैठक की शुरुआत में जिनपिंग ने कहा कि पूरी दुनिया इस बैठक पर नजर लगाए हुए है। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और अमेरिका-चीन रिश्ते वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं। जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि पार्टनर बनना चाहिए। उन्होंने कहा, "बार-बार साबित हुआ है कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। चीन-अमेरिका आर्थिक संबंधों का आधार आपसी लाभ और विन-विन सहयोग है।"

वहीं ट्रम्प ने जिनपिंग की तारीफ करते हुए कहा, "आपका दोस्त होना सम्मान की बात है।" ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन के रिश्ते पहले से बेहतर होने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी नेताओं को अपने साथ लेकर चीन आए हैं। इस दौरे की सबसे बड़ी चर्चा बोइंग विमान डील को लेकर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन अमेरिकी कंपनी बोइंग से करीब 9 लाख करोड़ रुपए के विमानों की खरीद का बड़ा समझौता कर सकता है। अगर यह डील होती है तो यह दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील्स में शामिल हो सकती है। बैठक में व्यापार, टैरिफ, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ताइवान जैसे मुद्दों पर भी बातचीत होगी। पिछले कुछ सालों में दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव रहा है, इसलिए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ स्टेट डिनर में अमेरिका और चीन के ऐतिहासिक रिश्तों का जिक्र किया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन के लोगों के बीच लंबे समय से आपसी सम्मान की भावना रही है। ट्रम्प ने आगे बताया कि अमेरिका के संस्थापक नेताओं में से एक बेंजामिन फ्रैंकलिन ने चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस के विचारों को लोगों तक पहुंचाया था।

तपती गर्मी, अधूरी नींद और कमजोर डाइजेशन डॉक्टर से समझें इसके पीछे का विज्ञान

गर्मियों के मौसम में अक्सर लोग रात भर करवटें बदलते रहते हैं। हाई टेम्परेचर और उमस के कारण न सिर्फ हमारी नींद प्रभावित होती है, बल्कि इसका सीधा असर हमारे पाचन तंत्र (डाइजेशन) पर भी पड़ता है। सुप्रसिद्ध साइंस जर्नल 'नेचर' में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, नींद की अवधि कम हो जाती है और गहरी नींद पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। हर 10^0 तापमान बढ़ने पर नींद की कमी का रिस्क और ज्यादा बढ़ जाता है।

इस विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ. विनीला सुरपनेनी (कंसल्टेंट, पल्मोनरी मेडिसिन, स्पर्श हॉस्पिटल, बेंगलुरु) ने बताया कि गर्मी कैसे हमारी स्लीप साइकिल और हेल्थ को प्रभावित करती है और इससे बचने के उपाय क्या हैं।

टेम्परेचर (तापमान) और नींद का गहरा संबंध

हमारे शरीर के भीतर एक आंतरिक जैविक घड़ी होती है, जिसे 'बॉडी क्लॉक' या 'सर्केडियन रिद्म' कहा जाता है। यह क्लॉक शरीर की जरूरत के अनुसार नींद का इशारा करती है, पाचन तंत्र को सक्रिय करती है और शरीर को एक्टिव मोड में ले जाती है।

इस बॉडी क्लॉक का एक मुख्य काम रात के समय शरीर को गहरी नींद में ले जाने के लिए उसके आंतरिक तापमान को सामान्य से कुछ डिग्री कम करना भी है। यदि हमारे आसपास या कमरे का टेम्परेचर कम (ठंडा) हो, तो शरीर को कम मेहनत करनी पड़ती है और गहरी नींद जल्दी आती है। इसके विपरीत, तापमान ज्यादा होने पर शरीर को रिलैक्स होने में बहुत संघर्ष करना पड़ता है।

तापमान बढ़ने से क्यों खराब होती है नींद की क्वालिटी?

जब बाहरी तापमान बहुत ज्यादा होता है, तो शरीर को खुद को ठंडा रखने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इस प्रक्रिया में दिल की धड़कन और मेटाबॉलिज्म पूरी तरह शांत नहीं हो पाते, जिससे बॉडी 'रिलैक्स मोड' में नहीं जा पाती। इसके अलावा, गर्मी के कारण होने वाला अत्यधिक पसीना, डिहाइड्रेशन और बेचैनी रात में बार-बार आंख खुलने का कारण बनते हैं, जिससे नींद पूरी नहीं हो पाती।

गर्मी का REM (रैपिड आई मूवमेंट) स्लीप पर असर

नींद मुख्य रूप से 4 स्टेज से होकर गुजरती है, और गर्मी इन सभी को प्रभावित करती है:

- N1 **(हल्की नींद की शुरुआत)**: यह जागने से नींद में जाने की पहली अवस्था है, जहां ब्रेन शांत होने लगता है।
- N2 **(सामान्य नींद)**: इस स्टेज में शरीर रिलैक्स होता है, सांस और धड़कन धीमी होती है। रात का सबसे ज्यादा समय इसी में बीतता है।
- N3 **(गहरी नींद** - Deep Sleep**)**: यह सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसमें शरीर अपनी मरम्मत करता है, ऊर्जा वापस लाता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है।
- REM **(सपनों वाली गहरी नींद)**: यह नींद की सबसे गहरी स्टेज है, जहां ब्रेन एक्टिव रहता है और यादों को सहेजता है।

गर्मियों की बेचैनी और बढ़े हुए तापमान के कारण शरीर N3 (गहरी नींद) और REM स्लीप तक नहीं पहुंच पाता, जिससे सोने के बाद भी थकान बनी रहती है।

गर्मियों में नींद का कम आना काफी हद तक सामान्य है, जिसका सीधा संबंध कमरे के बढ़े हुए तापमान से है।

हाई टेम्परेचर, पसीना और उमस शरीर के नेचुरल स्लीप सिग्नल्स को डिस्टर्ब कर देते हैं। हालांकि, अगर कमरे का वेंटिलेशन (हवा का आना-जाना) अच्छा हो, तापमान कंट्रोल में रहे और शरीर हाइड्रेटेड रहे, तो इस समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है।

स्लो मेटाबॉलिज्म, कमजोर पाचन और अनिद्रा का जुड़ाव

गर्मियों में हाई टेम्परेचर के कारण हमारा शरीर पहले से ही स्ट्रेस में रहता है, जिससे मेटाबॉलिज्म प्राकृतिक रूप से स्लो हो जाता है और पाचन क्रिया प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में यदि नींद भी पूरी न हो, तो शरीर का संतुलन और बिगड़ जाता है। नींद की कमी सीधे तौर पर हमारे मेटाबॉलिक फंक्शन, डाइजेशन, इम्यूनिटी (रोग प्रतिरोधक क्षमता) और ब्रेन परफॉर्मेंस को कमजोर कर देती है।

क्या यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत है?

आमतौर पर गर्मियों में नींद न आना किसी गंभीर या पुरानी बीमारी का संकेत नहीं होता है। यह एक मौसमी समस्या है जो केवल शरीर का तापमान बढ़ने, ज्यादा पसीना आने, डिहाइड्रेशन और असहज माहौल की वजह से पैदा होती है। वातावरण अनुकूल होते ही यह समस्या अपने आप ठीक हो जाती है।

स्लीप हॉर्मोन 'मेलाटोनिन' पर गर्मी का प्रहार

हमारे मस्तिष्क से निकलने वाला स्लीप हार्मोन 'मेलाटोनिन' नींद लाने के लिए जिम्मेदार होता है। इसका सिक्रेशन (रिलीज होना) पूरी तरह से अंधेरे और शरीर के कम तापमान पर निर्भर करता है। रात में जैसे-जैसे अंधेरा बढ़ता है और शरीर का टेम्परेचर कम होता है, मेलाटोनिन का स्तर बढ़ता है। लेकिन गर्मियों की गर्म रातों में तापमान ज्यादा होने के कारण इसका सिक्रेशन प्रभावित हो जाता है, जिससे समय पर नींद नहीं आती।

डिहाइड्रेशन और पसीने से कैसे टूटती है नींद?

अत्यधिक पसीना आना और पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) शरीर की नेचुरल कूलिंग प्रक्रिया को बाधित करते हैं। जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो मेलाटोनिन का स्तर गिर जाता है। साथ ही, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी से मांसपेशियों में ऐंठन (CRAMPS) होने लगती है और गला सूखने लगता है, जिससे रात में बार-बार नींद टूटती है। पसीने के कारण बिस्तर और कपड़ों की चिपचिपाहट भी गहरी नींद में बाधा डालती है।

कौन-सी गलतियां गर्मियों में नींद को प्रभावित करती हैं?

अक्सर हमारी कुछ रोजमर्रा की गलतियां इस समस्या को और बढ़ा देती हैं:

- सोने से ठीक पहले भारी, तीखा या मसालेदार भोजन करना।
- शाम के समय या रात को चाय, कॉफी या कैफीन युक्त ड्रिंक्स का सेवन करना।
- बिस्तर पर जाने के बाद देर तक मोबाइल या लैपटॉप की स्क्रीन देखना (जिसकी ब्लू लाइट मेलाटोनिन को रोकती है)।
- कमरे में वेंटिलेशन या हवा के क्रॉस-मूवमेंट का इंतजाम न रखना।

एक्सपर्ट के अनुसारः अच्छी और गहरी नींद के कुछ टिप्स

गर्मियों में अपनी स्लीप क्वालिटी को मेंटेन रखने और आरामदायक नींद पाने के लिए डॉ. विनीला सुरपनेनी ने निम्नलिखित 12 आसान और असरदार टिप्स साझा किए हैं:

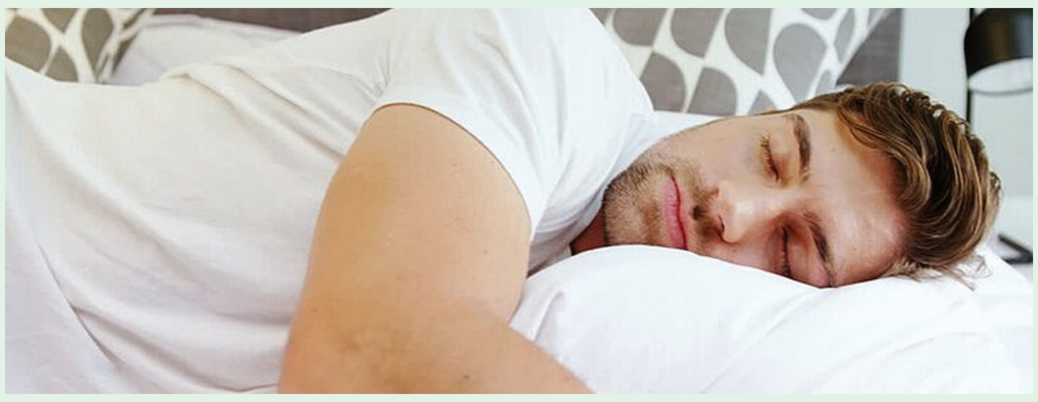

- **कमरे का तापमान सही रखें**: यदि संभव हो तो AC का तापमान 24^0 से 26^0 के बीच सेट करें। कूलर या पंखे का इस्तेमाल करते समय कमरे में वेंटिलेशन (हवा की आवाजाही) का ध्यान रखें।
- **शरीर को हाइड्रेटेड रखें**: दिन भर में पर्याप्त पानी पिएं। सोने से आधा घंटा पहले एक गिलास पानी जरूर पिएं ताकि रात में गला न सूखे।
- **सोने से पहले नहाएं**: रात को बिस्तर पर जाने से पहले हल्के गुनगुने या सामान्य पानी से स्नान करें। इससे शरीर का तापमान कम होता है और जल्दी नींद आती है।
- **कॉटन के कपड़े और चादर**: सोते समय हमेशा ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। बिस्तर पर भी सूती चादर का ही इस्तेमाल करें, जो पसीने को आसानी से सोख सके।
- **हल्का और जल्दी डिनर**: रात का भोजन सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले कर लें। गर्मियों में डिनर जितना हल्का और सुपाच्य (जैसे खिचड़ी, दलिया या हरी सब्जियां) होगा, नींद उतनी ही बेहतर आएगी।
- **गैजेट्स से दूरी (डिजिटल डिटॉक्स)**: सोने से एक घंटे पहले मोबाइल, टीवी और लैपटॉप की स्क्रीन को पूरी तरह बंद कर दें ताकि स्लीप हार्मोन सही तरीके से रिलीज हो सके।
- **प्राकृतिक पेय पदार्थों का सेवन**: दिन के समय छाछ, नारियल पानी, नींबू पानी या आम पन्ना पिएं। ये शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखते हैं और रात में पैरों की ऐंठन को रोकते हैं।
- **कैफीन को कहें ना**: दोपहर के बाद या शाम को चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन बिल्कुल बंद कर दें, क्योंकि कैफीन मस्तिष्क को जागृत रखता है।
- **स्लीप शेड्यूल का पालन करें**: रोज रात को एक निश्चित समय पर सोने जाएं और सुबह एक ही तय समय पर उठें। इससे आपकी बॉडी क्लॉक रीसेट हो जाएगी।
- **तलवों की मालिश**: सोने से पहले पैरों के तलवों को ठंडे पानी से धोएं और नारियल तेल या घी से हल्की मालिश करें। यह नसों को शांत करता है।
- **शाम को भारी एक्सरसाइज न करें**: देर शाम या रात को हैवी वर्कआउट करने से शरीर का तापमान और हार्ट रेट बढ़ जाते हैं। एक्सरसाइज हमेशा सुबह के वक्त ही करें।
- **कूलिंग प्राणायाम करें**: बिस्तर पर जाने से पहले 5 मिनट 'शीतली प्राणायाम' या 'भ्रामरी प्राणायाम' का अभ्यास करें। यह आपके दिमाग को शांत और शरीर को ठंडा करने में मदद करता है।

गर्मियों में क्यों बढ़ जाते हैं जिद्दी मुंहासे? समझें इसके पीछे का विज्ञान, डाइट और स्किन केयर रूटीन

गर्मियों का मौसम आते ही चेहरे पर चिपचिपाहट बढ़ने लगती है और अचानक छोटे-छोटे पिंपल्स चेहरे को घेर लेते हैं। दरअसल, जैसे ही तापमान बढ़ता है, हमारी त्वचा खुद को सुरक्षित रखने के लिए तेल (सीबम) का उत्पादन बढ़ा देती है। जब यह एक्स्ट्रा ऑयल, पसीना, धूल और बैक्टीरिया के साथ मिलता है, तो त्वचा के पोर्स (रोमकूप) ब्लॉक हो जाते हैं। बंद पोर्स के कारण त्वचा में सूजन और रेडनेस आ जाती है, जो बाद में जिद्दी एक्ने का रूप ले लेती है। गर्मियों में पसीना और ह्यूमिडिटी (नमी) बैक्टीरिया की ग्रोथ के लिए सबसे अनुकूल माहौल बनाते हैं, जिससे मुंहासों को कंट्रोल करना बेहद मुश्किल हो जाता है। आइए विस्तार से समझते हैं कि गर्मियों में मुंहासे क्यों होते हैं, ये कितने प्रकार के होते हैं और इनसे बचने के लिए हमारा स्किन केयर रूटीन और खान-पान कैसा होना चाहिए।

एक्ने और मुंहासे में क्या अंतर है?

आमतौर पर लोग एक्ने और मुंहासे को एक ही समझ लेते हैं, लेकिन चिकित्सा विज्ञान में इनमें थोड़ा अंतर होता है। एक्ने एक पूरी स्किन कंडीशन या बीमारी है, जबकि मुंहासे उसी कंडीशन का एक लक्षण मात्र हैं। जब त्वचा के पोर्स ऑयल, डेड स्किन और बैक्टीरिया की वजह से ब्लॉक होते हैं, तो उस पूरी स्थिति को एक्ने कहा जाता है। इसी एक्ने के कारण चेहरे पर अलग-अलग रूपों में ब्लैकहेड्स, वाईटहेड्स या दर्दनाक दाने दिखाई देने लगते हैं। सरल शब्दों में कहें तो हर मुंहासा एक्ने का हिस्सा है, लेकिन एक्ने सिर्फ मुंहासों तक ही सीमित नहीं है।

नॉन-इंफ्लेमेटरी और इंफ्लेमेटरी

त्वचा पर होने वाले मुंहासों को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जिन्हें नॉन-इंफ्लेमेटरी और इंफ्लेमेटरी कहा जाता है। नॉन-इंफ्लेमेटरी मुंहासों में त्वचा पर लालिमा या दर्द नहीं होता है। इसके तहत ब्लैकहेड्स आते हैं जो खुले हुए पोर्स होते हैं और जिनमें फंसा हुआ तेल हवा के संपर्क में आकर काला पड़ जाता है, जबकि व्हाइटहेड्स बंद पोर्स होते हैं जो त्वचा के ऊपर छोटे सफेद दानों के रूप में दिखाई देते हैं। दूसरी तरफ इंफ्लेमेटरी मुंहासों में त्वचा में तेज दर्द, रेडनेस और सूजन होती है। इसके तहत पेप्यूल्स आते हैं जो छोटे, लाल और छूने पर दर्द करने वाले दाने होते हैं, और पस्ट्यूल्स वे पिंपल्स होते हैं जिनमें ऊपर की तरफ सफेद या पीला पस भर जाता है। इसी श्रेणी में नोड्यूल्स भी शामिल हैं जो त्वचा की गहराई में बनने वाले बड़े, सख्त और अत्यधिक दर्दनाक दाने होते हैं, जबकि सिस्ट सबसे गंभीर प्रकार के मुंहासे हैं जो बहुत गहरे, दर्दनाक और पस से भरे होते हैं तथा ठीक होने के बाद भी चेहरे पर गहरे निशान छोड़ जाते हैं।

ऑयली और कॉम्बिनेशन स्किन पर गर्मी का सबसे ज्यादा असर

गर्मियों के दिनों में सबसे ज्यादा परेशानी ऑयली और कॉम्बिनेशन स्किन वाले लोगों को होती है। कॉम्बिनेशन स्किन का मतलब है कि चेहरे का टी-जोन यानी माथा, नाक और ठुड्डी अत्यधिक तैलीय होते हैं, जबकि गाल सामान्य या शुष्क रहते हैं। इन दोनों स्किन टाइप वाले लोगों की ऑयल ग्लैंड्स प्राकृतिक रूप से ज्यादा सीबम बनाती हैं। गर्मियों में जब यह सीबम उत्पादन और तेज हो जाता है, तो धूल-मिट्टी के कारण पोर्स तुरंत क्लॉग हो जाते हैं। बंद पोर्स के भीतर ऑक्सीजन न मिलने से पी. एक्ने नामक बैक्टीरिया तेजी से पनपने लगते हैं, जिससे टी-जोन और गालों पर बड़े-बड़े पिंपल्स निकल आते हैं।

स्ट्रेस और नींद की कमी

मौसम के अलावा हमारी मानसिक स्थिति और लाइफस्टाइल भी त्वचा को गहरे से प्रभावित करती है। जब हम अत्यधिक मानसिक तनाव लेते हैं, तो शरीर में कॉर्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। यह हार्मोन हमारी तेल ग्रंथियों को और अधिक सीबम बनाने के लिए उत्तेजित करता है, जिससे पोर्स जल्दी ब्लॉक होते हैं और मुंहासे बढ़ जाते हैं। ठीक इसी तरह रात को पर्याप्त नींद न लेने से त्वचा की प्राकृतिक रिपेयर और हीलिंग प्रोसेस धीमी हो जाती है। इससे शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ती है, जिसके परिणामस्वरूप पुराने मुंहासे देर से ठीक होते हैं और नए पिंपल्स जल्दी-जल्दी निकलने लगते हैं।

स्किन केयर रूटीन के जरूरी स्टेप्स

गर्मियों में त्वचा को साफ, बैक्टीरिया-मुक्त और ऑयल-बैलेंस्ड रखने के लिए एक अनुशासित स्किन केयर रूटीन अपनाना बेहद जरूरी है। इसके पहले चरण में दिन में कम से कम दो बार सैलिसिलिक एसिड या नीम और टी-ट्री ऑयल युक्त जेल-बेस्ड फेस वॉश से चेहरा धोना चाहिए, जो पोर्स के भीतर जमे अतिरिक्त तेल को साफ करता है। चेहरा धोने के बाद अल्कोहल-फ्री टोनर या शुद्ध गुलाब जल का प्रयोग करना चाहिए ताकि त्वचा का पीएच स्तर संतुलित रहे और बढ़े हुए पोर्स सिकुड़ सकें। यह सोचना गलत है कि ऑयली स्किन को मॉइस्चराइजर की जरूरत नहीं होती, इसलिए गर्मियों में भी ऑयल-फ्री या वॉटर-बेस्ड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। धूप से सुरक्षा के लिए हैवी या क्रीमी सनस्क्रीन के बजाय जेल-बेस्ड या मैट-फिनिश सनस्क्रीन चुनना चाहिए ताकि त्वचा चिपचिपी न हो। इसके साथ ही हफ्ते में सिर्फ एक या दो बार किसी हल्के स्क्रबर या केमिकल एक्सफोलिएंट का इस्तेमाल करें ताकि डेड स्किन सेल्स हट सकें। सबसे आखिर में, अपने हाथों से चेहरे को बार-बार छूने या पिंपल्स को फोड़ने से पूरी तरह बचना चाहिए क्योंकि इससे हाथों के बैक्टीरिया चेहरे पर फैलते हैं और मुंहासे और गंभीर हो जाते हैं।

फूड हैबिट्स बदलें: गर्मियों में इन 8 चीजों से बिल्कुल दूरी बनाएं

हमारी डाइट का हमारी त्वचा से सीधा संबंध होता है, इसलिए गर्मियों में मुंहासों से बचना है तो खान-पान में कड़े बदलाव करने होंगे। हमें अत्यधिक तैलीय और फ्राइड फूड जैसे समोसे, पकोड़े और फ्रेंच फ्राइज से दूर रहना चाहिए क्योंकि ये त्वचा में ऑयल प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं। ज्यादा मिर्च-मसाले वाला खाना शरीर में गर्मी पैदा करता है जिससे पसीना ज्यादा आता है और त्वचा में जलन व पिंपल्स बढ़ते हैं। पेस्ट्री, केक, आइसक्रीम और मिठाइयों जैसे हाई-शुगर फूड्स खाने से शरीर में इंसुलिन का स्तर अचानक बढ़ता है, जो सीधे तौर पर एक्ने को ट्रिगर करता है। कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस और एनर्जी ड्रिंक्स जैसे कार्बोनेटेड पेय पदार्थों में भी शुगर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जो त्वचा की सूजन को बढ़ाती है।

पारंपरिक ठंडाई: चिलचिलाती गर्मी में पेट को रखे कूल और दिमाग को दे गजब का सुकून

गर्मियों का मौसम आते ही चिलचिलाती धूप और उमस भरे वातावरण से शरीर बेहाल होने लगता है। ऐसे में फ्रिज का ठंडा पानी या बाजार के कृत्रिम कोल्ड ड्रिंक्स पीने के बजाय यदि पारंपरिक भारतीय पेय 'ठंडाई' का सेवन किया जाए, तो यह न केवल शरीर को तुरंत अंदरूनी ठंडक देता है, बल्कि हमारे पाचन तंत्र (डाइजेशन) और दिमाग को भी शांत रखता है। पारंपरिक रूप से ठंडाई बनाने के लिए सूखे मेवों, मसालों और जड़ी-बूटियों का एक खास 'ठंडाई मसाला पेस्ट' तैयार किया जाता है, जिसे बाद में ठंडे दूध में मिलाया जाता है। घर पर शुद्ध, पौष्टिक और बेहद स्वादिष्ट पारंपरिक ठंडाई बनाने की पूरी विधि और इसके फायदों को विस्तार से नीचे समझाया गया है।

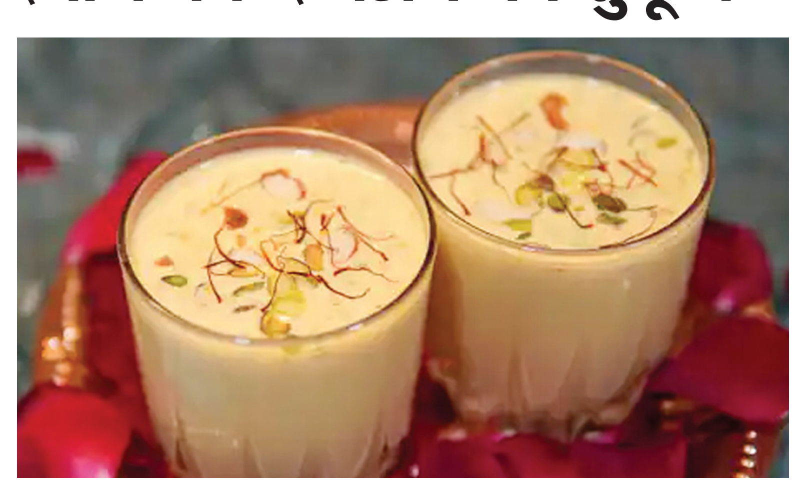

आवश्यक सामग्री

एक आदर्श और सेहतमंद ठंडाई तैयार करने के लिए आपको कुछ खास और प्राकृतिक चीजों की आवश्यकता होती है। यह सामग्री लगभग 4 से 5 गिलास ठंडाई के लिए पर्याप्त है। इसके लिए सबसे पहले 1 लीटर दूध लें, जिसे उबालकर पूरी तरह ठंडा किया गया हो (आप फुल क्रीम या टोंड अपनी पसंद के अनुसार ले सकते हैं)। मिठास के लिए आधा कप चीनी या धागे वाली मिश्री का इस्तेमाल करें। ड्राई फ्रूट्स में एक चौथाई कप बादाम (लगभग 20-25 पीस), दो बड़े चम्मच काजू और दो बड़े चम्मच पिस्ता लें। इसके अलावा, दो बड़े चम्मच खसखस और दो बड़े चम्मच तरबूज या खरबूजे के बीज लें, जो दिमाग को ताकत देते हैं। मसालों में एक बड़ा चम्मच सौंफ, जो पेट को ठंडक देती है, 10-12 दाने साबुत काली मिर्च, जो स्वाद को बैलेंस करने के साथ गले के लिए अच्छी होती है, और 5-6 हरी इलायची शामिल करें। खुशबू और रंगत के लिए 15-20 केसर के धागे (दूध में भीगे हुए) और दो बड़े चम्मच सूखी या ताजी गुलाब की पंखुड़ियां लें।

स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस

सामग्री को भिगोना: ठंडाई बनाने का सबसे पहला और महत्वपूर्ण चरण सभी सूखी सामग्रियों को एक्टिव करना है। इसके लिए बादाम, काजू, पिस्ता, खसखस, तरबूज के बीज, सौंफ, काली मिर्च, इलायची और गुलाब की पंखुड़ियों को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। इसके बाद इन सभी चीजों को एक साथ एक गहरे कटोरे में डालें और पर्याप्त साफ पानी भरकर 4 से 5 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। यदि आपके पास समय की कमी है, तो आप इन्हें हल्के गुनगुने पानी में केवल 1 घंटे के लिए भी भिगो सकते हैं, जिससे ये पीसने के लिए तैयार हो जाएंगे।

पेस्ट तैयार करना : जब सभी सामग्रियां अच्छी तरह से भीग जाएं, तो बादाम को पानी से निकालकर उनके छिलके आसानी से उतार लें। अब भिगोई हुई सभी चीजों को पानी से छानकर मिक्सी के जार में डालें। इसमें थोड़ा सा ठंडा दूध या आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। इसके बाद मिक्सी को चलाकर इसे तब तक पीसें जब तक कि यह एक बिल्कुल महीन, रेशमी और स्मूथ पेस्ट न बन जाए। ध्यान रहे कि पेस्ट में कोई दरदरापन न रहे। पुराने समय में इसे सिलबट्टे पर पीसा जाता था, जिससे ड्राई फ्रूट्स के प्राकृतिक तेल बाहर आते थे और स्वाद दोगुना हो जाता था।

दूध में मिश्रण और फ्लेवर इन्फ्यूजन: एक बड़े और गहरे बर्तन में पहले से उबला और ठंडा किया हुआ 1 लीटर दूध लें। इस दूध में चीनी या पिसी हुई मिश्री डालें और साथ ही केसर वाला दूध भी मिला दें। इसे चम्मच से तब तक अच्छी तरह चलाएं जब तक चीनी पूरी तरह घुल न जाए। अब तैयार किया हुआ ठंडाई मसाला पेस्ट इस दूध में डालें और एक व्हिस्क या पारंपरिक राई की मदद से अच्छी तरह मथ लें। पेस्ट मिलाने के बाद इस दूध को तुरंत पीने के बजाय कम से कम 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। इस समय के दौरान सभी मेवों और मसालों का औषधीय फ्लेवर दूध में पूरी तरह समा जाता है।

छानना और परोसना: फ्रिज से निकालने के बाद, एक महीन सूती कपड़े या बारीक छन्नी की मदद से दूध को अच्छी तरह छान लें। छानने की प्रक्रिया बेहद जरूरी है क्योंकि इससे काली मिर्च के रेशे और सौंफ के कड़े छिलके अलग हो जाते हैं, जिससे ठंडाई का टेक्सचर बिल्कुल मखमली और गाढ़ा बनता है। अब इसे परोसने के लिए मिट्टी के कुल्हड़ या कांच के गिलासों में कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से चिल्ड ठंडाई डालें। इसे बारीक कटे हुए पिस्ते, बादाम के कतरन, केसर के धागे और गुलाब की पंखुड़ियों से सजाकर एकदम ठंडा-ठंडा परोसें।

कमजोर पाचन वालों के लिए एक्सपर्ट समर टिप्स

यदि गर्मियों के मौसम में आपका पेट अक्सर खराब रहता है, गैस बनती है या डाइजेशन कमजोर रहता है, तो ठंडाई बनाते समय पेस्ट में सौंफ की मात्रा थोड़ी बढ़ा दें क्योंकि सौंफ पाचन को दुरुस्त करती है। इसके अलावा, सफेद चीनी की जगह हमेशा 'धागे वाली मिश्री' का प्रयोग करें। आयुर्वेद के अनुसार मिश्री की तासीर चीनी के मुकाबले कहीं अधिक ठंडी होती है, जो पेट की एसिडिटी और जलन को तुरंत शांत करती है। यदि आप रोज-रोज पेस्ट बनाने के झंझट से बचना चाहते हैं, तो इस ठंडाई पेस्ट को बिना दूध मिलाए एक सूखे और साफ एयरटाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में रख दें। यह पेस्ट 3 से 4 दिनों तक बिल्कुल ताजा रहता है। जब भी मेहमान आएं या आपका मन हो, तुरंत ठंडे दूध में 2 चम्मच पेस्ट और मिश्री मिलाएं, अच्छी तरह मिक्स करें और आपकी सेहतमंद ठंडाई मिनटों में तैयार है।

बर्फ कम होते ही पहुंचने लगे श्रद्धालु

हिमाचल : 12,778 फीट पर दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर का ट्रैक खुला

शिमला (राजधानी चौपाल)| हिमाचल प्रदेश के किचौर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर (गुल्ला कांडा) का ट्रैक बर्फ पिघलते ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। रोरा घाटी में 12,778 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह दुर्गम - मार्ग भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों में बंद रहता है। श्रद्धालु गुल्ला खास गांव से 12 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई पूरी कर यहां पहुंचते हैं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस प्राचीन मंदिर और झील का निर्माण पांडवों ने वनवास के दौरान किया था। यहां की सबसे बड़ी खासियत 'किन्नौरी टोपी' से जुड़ी परंपरा है। माना जाता है कि यदि श्रद्धालु झील में अपनी टोपी उल्टी कर तैराता है और वह बिना डूबे दूसरे किनारे पहुंच जाती है, तो उसकी मन्नत पूरी होती है। यह स्थान हिंदू और बौद्ध धर्म की आस्था का संगम भी है, जहां लामा भी विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर परिसर से पवित्र कित्रर कैलाश की पहाड़ियों के स्पष्ट दर्शन होते हैं। हर साल जन्माष्टमी पर यहां ऐतिहासिक मेला भी लगता है। प्रशासन ने आगाह किया है कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी और संकरे रास्तों के कारण यह ट्रैक जोखिम भरा है, इसलिए यात्री पूरी सावधानी के साथ ही यात्रा शुरू करें।

गौतम अडाणी पर अमेरिका में दर्ज केस हट सकते हैं : ब्लूमबर्ग का दावा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी को अमेरिका से बड़ी राहत मिल सकती है। ब्लूमबर्ग ने दावा किया है कि मुताबिक, अमेरिकी न्याय विभाग उनके खिलाफ चल रहे 265 मिलियन डॉलर (करीब 2,500 करोड़ रुपए) के रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आपराधिक आरोपों को वापस लेने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह तक यह कानूनी मामला खत्म किया जा सकता है। अडाणी ग्रुप करीब डेढ़ साल से कानूनी उलझनों का सामना कर रहे हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट गौतम अडाणी और उनके सहयोगियों के खिलाफ चल रहे करीब 2,500 करोड़ रुपए के आपराधिक भ्रष्टाचार मामले को वापस लेने जा रहा है। इसी हफ्ते इस आपराधिक केस को आधिकारिक तौर पर ड्रॉप किया जा सकता है। नवंबर 2024 में न्यूयॉर्क के फेडरल प्रोसीक्यूटर्स ने गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी समेत कई अधिकारियों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने भारत में सोलर पावर प्रोजेक्ट के ठेके हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को करीब 2,500 करोड़ रुपए की रिश्वत देने की साजिश रची थी।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को, यह पेपर-पेंसिल से होगी; सरकार ने माना- पेपर लीक हुए

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| अगले सत्र से नीट-यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट-यूजी-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे।

उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।'

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छात्रों के आने-जाने के लिए राज्यों से बात करूंगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, 'राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो। मंत्री के रूप में, अभिभावक के रूप में, अधिकारी के रूप में हमें परीक्षा रद्द करने का कठिन निर्णय लेना पड़ा।

उन्होंने कहा कि हमें सुधारों के लिए कई सुझाव मिले हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं। NTA का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार हुआ था। इसके अलावा मैं उम्मीदवारों के परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों से बात करूंगा।

नीट पेपर लीक केस में अब तक 7 गिरफ्तारियां : सीबीआई ने इस मामले में अब तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 यानी राजस्थान से पकड़े गए मांगी लाल बिंवाल, जमवारामगढ़ के भाई दिनेश बिंवाल, बेटा विकास बिंवाल, हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले यश यादव और नासिक से शुभम खैरनार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने पांचों आरोपियों को 7 दिन की कस्टडी में भेज दिया है। सीबीआई ने इनके अलावा, पुणे से ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे, नासिक से धनंजय लोखंडे को गिरफ्तार किया था।

मौसम • पश्चिमी और मध्य भारत में पारा फिर 45 डिग्री के पार जाने का अनुमान

देश के कई हिस्सों में हीटवेव की वापसी, समय से पहले मानसून आने के संकेत

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | देश के मौसम में इस समय दो विपरीत स्थितियां एक साथ सक्रिय हैं। पश्चिमी और मध्य भारत जहां भीषण लू और बढ़ती तपिश की चपेट में हैं। राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में कई जगह तापमान 45 डिग्री के पार जाने का अनुमान है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने नए तंत्र ने मानसून के संकेत दे दिए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में एक कम दबाव का क्षेत्र विकसित हो गया है, जिसके 48 घंटों में मजबूत होने की संभावना है। इस सिस्टम के बनने से न केवल दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी, बल्कि यह मानसून के समय से पहले आने के लिए भी अनुकूल परिस्थितियां पैदा कर रहा है। केरल में मानसून आने की सामान्य तारीख 1 जून है। इस बार नए सिस्टम और अनुकूल हवाओं के कारण इसके 25 से 27 मई के बीच ही केरल तट पर पहुंचने की संभावना है।

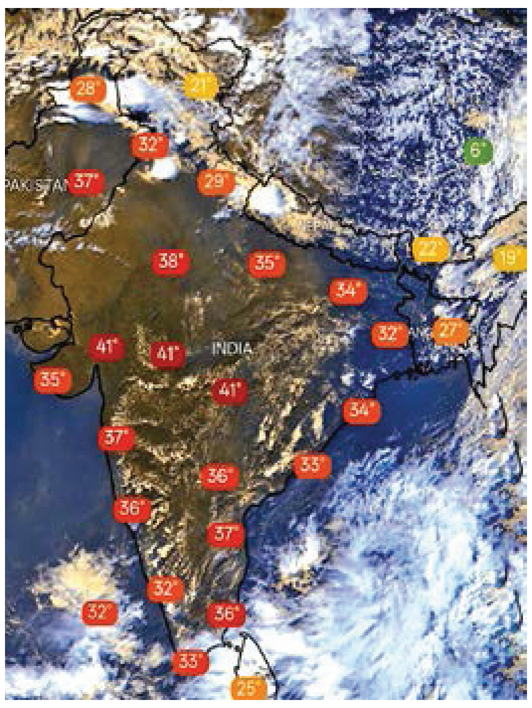

उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में पारे का कम प्रकोप

देश के अधिकांश उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में फिलहाल तापमान नियंत्रण में बना हुआ है और वहां बहुत अधिक गर्मी का प्रभाव नहीं दिख रहा है। इसके विपरीत पश्चिमी और मध्य भारत के क्षेत्रों में तापमान में तेजी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।

गहरे लाल रंग वाले क्षेत्र पश्चिमी व मध्य भारत में केंद्रित हैं। यहां तापमान सबसे अधिक है। रातें भी गर्म रहने का अनुमान है।

हल्के लाल और नारंगी रंग वाले इलाके दक्षिण-पश्चिमी यूपी, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में हैं। इन क्षेत्रों में गर्मी बढ़ तो रही है, लेकिन तपिश अभी थोड़ी कम है।

उत्तर, पूर्व और दक्षिण भारत के ज्यादातर हिस्से पीले या हरे रंग में हैं, जिसका मतलब है कि वहां फिलहाल तापमान नियंत्रण में है।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)